सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अंक : 27 वर्ष : 01 साप्ताहिक (15 से 21 जुलाई 2026) पृष्ठ 8 मूल्य : 5/- रुपये E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2026 का ऐलान, यामी गौतम बनीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, कार्तिक आर्यन और ममूटी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता सम्मान

नई दिल्ली

भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में शामिल 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2026 की घोषणा कर दी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में वर्ष 2024 में प्रमाणित फिल्मों के लिए विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं के नाम घोषित किए गए। हर वर्ष की तरह इस बार भी हिंदी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं की उत्कृष्ट फिल्मों, कलाकारों, निर्देशकों, तकनीकी विशेषज्ञों और फिल्म निर्माण से जुड़े रचनात्मक प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा के साथ ही फिल्म जगत में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इस वर्ष यामी गौतम ने फिल्म 'आर्टिकल 370' में अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतकर अपने करियर की एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। फिल्म में उनके सशक्त अभिनय और चुनौतीपूर्ण भूमिका की देशभर में सराहना हुई थी। वहीं कार्तिक आर्यन और दिग्गज मलयालम अभिनेता ममूटी को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। दोनों कलाकारों के अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों से भरपूर प्रशंसा मिली थी।

फिल्म 'आर्टिकल 370' इस वर्ष के पुरस्कारों में सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल रही। इस फिल्म ने अभिनय के साथ-साथ कई अन्य प्रमुख श्रेणियों में भी सम्मान प्राप्त किए, जिससे यह इस वर्ष की सबसे सफल फिल्मों में गिनी गई। इसके अलावा विभिन्न भारतीय भाषाओं की फिल्मों को भी अलग-अलग श्रेणियों में राष्ट्रीय सम्मान मिला। तकनीकी उत्कृष्टता, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, पटकथा, संगीत, छायांकन, संपादन और गैर-फीचर फिल्मों सहित अनेक क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कलाकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को भी पुरस्कारों से नवाजा गया। इससे भारतीय सिनेमा की विविधता और गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर सम्मान मिला।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों को भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है और इन्हें फिल्मों की कलात्मक गुणवत्ता, सामाजिक प्रभाव तथा तकनीकी उत्कृष्टता के आधार पर प्रदान किया जाता है। पुरस्कारों की घोषणा के बाद देशभर के फिल्म कलाकारों, निर्देशकों, निर्माताओं और सिनेमा प्रेमियों ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर भी विजेताओं के नाम लगातार चर्चा का विषय बने रहे और प्रशंसकों ने उनकी उपलब्धियों का स्वागत किया।

फिल्म विशेषज्ञों का मानना है कि इस वर्ष के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों ने एक बार फिर यह साबित किया है कि भारतीय सिनेमा केवल व्यावसायिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकारों, मजबूत कहानी, उत्कृष्ट अभिनय और तकनीकी गुणवत्ता के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। पुरस्कारों ने नए कलाकारों के साथ-साथ अनुभवी फिल्मकारों के योगदान को भी समान रूप से सम्मानित किया है, जिससे भारतीय फिल्म उद्योग को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलेगी।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़, शरद पवार की NCP की NDA में एंट्री से पहले विलय पर जोर

मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरदचंद्र पवार) की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में संभावित एंट्री से पहले पार्टी के दोनों गुटों का एकजुट होना आवश्यक माना जा रहा है। भाजपा का मानना है कि किसी भी नए राजनीतिक समीकरण को अंतिम रूप देने से पहले एनसीपी में संगठनात्मक स्पष्टता और आंतरिक एकता होना जरूरी है। यही कारण है कि पार्टी के दोनों धड़ों के संभावित विलय को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में एनसीपी के दोनों गुटों के बीच मेल-मिलाप और पुनर्गठन को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी है और वरिष्ठ नेताओं के बीच कई दौर की अनौपचारिक चर्चाएं भी हुई हैं। हालांकि इन बैठकों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन घटनाक्रम पर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की नजर बनी हुई है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और उसके सहयोगी दल भी राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों पर लगातार मंथन कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि एनसीपी के दोनों गुटों के बीच सहमति बनती है और पार्टी का विलय होता है, तो इसका सीधा असर महाराष्ट्र की सत्ता की राजनीति और आगामी विधानसभा तथा स्थानीय निकाय चुनावों पर पड़ सकता है। इससे राज्य में गठबंधन की राजनीति नए मोड़ पर पहुंच सकती है और विभिन्न दलों की चुनावी रणनीतियों में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।

हालांकि, अभी तक न तो भाजपा और न ही एनसीपी के किसी गुट ने इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा की है। एनसीपी के नेताओं का कहना है कि पार्टी सभी राजनीतिक विकल्पों पर विचार कर रही है और उचित समय आने पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। वहीं भाजपा भी पूरे घटनाक्रम पर सार्वजनिक रूप से संयमित रुख अपनाए हुए है। ऐसे में आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में होने वाले घटनाक्रम पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, क्योंकि यह फैसला राज्य की राजनीतिक दिशा को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

मोगा में रेलवे फाटक के पास मिला व्यक्ति का शव:पुलिस ने 72 घंटे के लिए मोर्चरी में रखा, नहीं हो सकी पहचान

मोगा : मोगा शहर के मेन बाजार स्थित रेलवे फाटक के पास शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की आयु लगभग 40 से 55 वर्ष बताई जा रही है। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। रेलवे पुलिस प्रशासन ने घटना की जानकारी मिलते ही समाज सेवा सोसायटी (रजि.) मोगा से संपर्क किया। सोसाइटी के सदस्य अपने आपातकालीन सेवा वाहन के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने रेलवे पुलिस के सहयोग से शव को कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई पूरी की। अज्ञात व्यक्ति के शव को मोगा के सिविल अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया गया है। यहां उसकी पहचान के लिए 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक शिनाख्त नहीं हो सकी थी। रेलवे पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों और संबंधित एजेंसियों को भी सूचना भेजी गई है। यदि निर्धारित समय में पहचान हो जाती है, तो कानूनी प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। समाज सेवा सोसायटी (रजि.) मोगा ने जानकारी दी कि संस्था कई वर्षों से पुलिस प्रशासन के सहयोग से लावारिस और अज्ञात व्यक्तियों के शवों को अस्पताल पहुंचाने, उनकी पहचान करवाने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए 24 घंटे आपातकालीन सेवा प्रदान कर रही है।

मानसून सत्र से पहले सरकार की सर्वदलीय बैठक अहम विधेयकों पर बनेगी रणनीति

नई दिल्ली

संसद के 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र से पहले केंद्र सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक की अध्यक्षता संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू करेंगे। सरकार का उद्देश्य सभी राजनीतिक दलों का सहयोग लेकर संसद के दोनों सदनों का सुचारु संचालन सुनिश्चित करना है। बैठक में आगामी सत्र के एजेंडे, प्रमुख विधेयकों और विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। सरकार इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पेश करने और लंबित कानूनों को पारित कराने की तैयारी में है। वहीं विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और अन्य जनहित के मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाने की रणनीति बना रहा है। राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाने के लिए सर्वदलीय बैठक को अहम माना जा रहा है। यह मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा और इसमें कुल 19 बैठकें होंगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार संसद में कई अहम विधेयकों और राष्ट्रीय मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

लोकसभा सीटों के परिसीमन पर INDIA गठबंधन में मतभेद, DMK ने कांग्रेस से अलग रुख अपनाया

नई दिल्ली

लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन और महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने से जुड़े प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन को लेकर विपक्षी INDIA गठबंधन के भीतर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह इस मुद्दे पर कांग्रेस के रुख का अनुसरण नहीं करेगी। पार्टी का कहना है कि दक्षिण भारत के राज्यों के हितों, जनसंख्या नियंत्रण में उनके योगदान और संसद में प्रतिनिधित्व से जुड़े मामलों पर उसका अपना स्वतंत्र और स्पष्ट दृष्टिकोण है। डीएमके का मानना है कि परिसीमन की प्रक्रिया केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं होनी चाहिए, बल्कि राज्यों के विकास, संघीय ढांचे और संतुलित प्रतिनिधित्व को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, डीएमके के इस रुख ने विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। INDIA गठबंधन पहले भी कई राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा रणनीति बनाने की कोशिश करता रहा है, लेकिन इस संवेदनशील विषय पर सहयोगी दलों के अलग-अलग विचार सामने आने से गठबंधन के भीतर मतभेद स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। विपक्ष के कुछ अन्य दलों ने भी परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अलग राय व्यक्त की है, जिससे इस मुद्दे की राजनीतिक अहमियत और बढ़ गई है। उधर, केंद्र सरकार का कहना है कि परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े सभी निर्णय संविधान के प्रावधानों और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए लिए जाएंगे। सरकार का दावा है कि इन कदमों का उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अधिक प्रभावी और संतुलित बनाना है। वहीं विपक्ष का एक वर्ग दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व में संभावित कमी और संघीय ढांचे पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जता रहा है। माना जा रहा है कि आगामी संसद सत्र में यह मुद्दा प्रमुख राजनीतिक विषय बन सकता है। परिसीमन, महिला आरक्षण और राज्यों के प्रतिनिधित्व को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने के आसार हैं।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस विवाद का असर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन की रणनीति पर भी देखने को मिल सकता है।

सोयाबीन, कपास और मक्का की फसल संकट में दोबारा बुवाई की आशंका से किसान चिंतित

जालना

जालना जिले के मंठा तालुका में लगातार बारिश नहीं होने से खरीफ फसलें सूखने लगी हैं। समय पर मानसून आने के बाद किसानों ने बड़े पैमाने पर सोयाबीन, कपास, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई की थी, लेकिन पिछले कई दिनों से बारिश नहीं होने के कारण खेतों की नमी तेजी से खत्म हो रही है। इससे फसलों की बढ़वार रुक गई है और कई स्थानों पर पौधे मुरझाने लगे हैं। किसानों का कहना है कि शुरुआती वर्षा के भरोसे उन्होंने बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों पर बड़ी राशि खर्च की थी। अब यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो फसलों को बचाना मुश्किल हो जाएगा। कई गांवों में दोबारा बुवाई की नौबत आने की आशंका जताई जा रही है, जिससे खेती की लागत और बढ़ेगी तथा किसानों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार,

खरीफ फसलें मानसूनी वर्षा पर पूरी तरह निर्भर होती हैं। लंबे समय तक बारिश नहीं होने से मिट्टी की नमी कम हो जाती है, जिसका सीधा असर अंकुरण और फसल की वृद्धि पर पड़ता है। विशेष रूप से सोयाबीन और कपास जैसी फसलें इस समय पर्याप्त नमी की मांग करती हैं।

अब 2019 की कर्जमाफी का लाभ ले चुके किसानों को भी मिलेगी नई योजना का लाभ

जालना

महाराष्ट्र सरकार ने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्जमुक्ती योजना-2026 के पात्रता नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन कर राज्य के लाखों किसानों को बड़ी राहत दी है। सहकार विभाग द्वारा जारी संशोधित शासनादेश के अनुसार, अब 2019 की महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्जमाफी योजना का लाभ पहले ही प्राप्त कर चुके किसान भी नई कर्जमाफी योजना के लिए पात्र होंगे। पहले ऐसे किसानों को नई योजना से बाहर रखा गया था, लेकिन सरकार ने किसानों की मांग और बदलती परिस्थितियों को देखते हुए यह प्रतिबंध हटा दिया है। नई व्यवस्था के तहत 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2025 के बीच लिए गए अल्पकालीन फसल ऋण तथा पुनर्गठित (रीशेड्यूल या रीफाइनेंस) ऋण, जो 30 सितंबर 2025 तक बकाया रहे और 31 मार्च 2026 तक चुकाए नहीं गए हों, ऐसे पात्र किसानों को अधिकतम दो लाख रुपये तक की कर्जमाफी का लाभ मिलेगा। सरकार ने एकमुश्त समझौता (ओटीएस) से जुड़े कई प्रतिबंध भी समाप्त कर दिए हैं। इसके अलावा, प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिए वर्ष 2026-27 में नियमित ऋण भुगतान की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है, जिससे अधिक किसानों को योजना का लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विधानसभा में की गई घोषणा के बाद राज्य मंत्रिमंडल ने इन संशोधनों को मंजूरी दी। सरकार का कहना है कि लगातार प्राकृतिक आपदाओं, अनियमित मानसून, बढ़ती उत्पादन लागत और आर्थिक संकट के कारण किसान गंभीर वित्तीय दबाव में हैं। ऐसे समय में यह फैसला किसानों को कर्ज के बोझ से राहत देने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। जालना जिले की बात करें तो यहां करीब 2.46 लाख किसानों पर फसल ऋण बकाया है। इनमें लगभग 80 प्रतिशत किसानों का ऋण दो लाख रुपये से कम है। पात्रता नियमों में हुए बदलाव के बाद जिले के लगभग 2.10 लाख किसानों को इस योजना का सीधा लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। किसानों और विभिन्न कृषि संगठनों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे खेती-किसानी को नई मजबूती मिलेगी, किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और वे आगामी कृषि सीजन की तैयारी बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

अक्षय मलिक को धमकी पर रोष, गिरफ्तारी की मांग

पंजाबी धर्मशाला में बैठक कर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

हिसार (राजधानी चौपाल)
कल रात्रि लगभग साढ़े आठ बजे व्यापारी नेता अक्षय मलिक, सन्नी मलिक तथा शहर के वरिष्ठ समाजसेवी गौतम नारंग किसी प्रॉपर्टी संबंधी कार्य से ओल्ड कोर्ट क्षेत्र में गए हुए थे। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने अक्षय मलिक को रोककर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया तथा उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। इस घटना के विरोध में आज प्रात: पंजाबी धर्मशाला, हिसार में शहर के सैंकड़ों सामाजिक लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कहा गया कि शहर में बढ़ रही आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना आवश्यक है। उपस्थित लोगों ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। न्यू राजगुरु मार्केट, बिश्नोई मंदिर मार्केट के प्रधान राजेंद्र चुटानी ने बताया कि बैठक में पूर्व मेयर गौतम सरदाना, गुलजार सिंह काहलो, सुभाष ढींगड़ा, पंकज दीवान, महेश चौधरी, विक्रांत धमीजा, सुरेंद्र बजाज, रवि मेहता, जितेंद्र वासुदेव, वैभव बिदानी, विजय नागपाल, विक्रांत भटेजा, प्रदीप भारद्वाज, सरदार अजयपाल सिंह, संदीप थरेजा, लोकेश अनेजा, तिलक वासुदेव सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि बैठक में सभी ने एक स्वर में इस घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि अक्षय मलिक को धमकी देने के आरोपित व्यक्तियों को अगले तीन दिनों के भीतर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कानून के अनुसार उचित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो आने वाले मंगलवार को शहर की एक बड़ी बैठक बुलाकर आगे की रणनीति और आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। बैठक में हिसार प्रशासन एवं हरियाणा सरकार से मांग की गई कि इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि ऐसे असामाजिक तत्वों के पीछे कौन लोग हैं, उन्हें किसका संरक्षण प्राप्त है तथा वे किस उद्देश्य से शहर का माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि आम नागरिकों, व्यापारियों और समाजसेवियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में मांग की गई कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी एवं कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बना रहे।

1-4. फोटो कैप्शन : पंजाबी धर्मशाला में बैठक करते सामाजिक लोग।

प्लास्टिक मुक्त भारत : सपना या हकीकत?

भाषण के मंचों पर, अखबार के पन्नों पर,
'प्लास्टिक मुक्त भारत' का एक सुंदर ख्वाब दिखता है।
पर बाजारों में बिखरे उस जहरीले ढेर को देखो,
जहाँ इंसानी लापरवाही का नंगा सच चीखता है।

चाय की झूठी कप हो या सब्जी का वो ठेला,
हर तरफ लगा है इस पॉलीथीन का मेला।
कानून तो बनते हैं पर चंद दिनों में सो जाते हैं,
हम अपनी सहूलियत के आगे, धरती के जख्म भूल जाते हैं।

तो क्या यह केवल एक अधूरा सपना है?
हाँ! यह तब तक महज एक ख्वाब रहेगा,
जब तक जिम्मेदारी का ठीकरा बस सरकार पर फूटेगा।
जब तक थैला उठाने में हमें शर्म आती रहेगी,
और यह जहरीली पन्नी हमारी माटी को खाती रहेगी।
जब तक बेजुबान जानवर इसे निगलकर मरते रहेंगे,
हम कागजी दावों में ही देश को स्वच्छ करते रहेंगे।

पर... इसे हकीकत बनाना अब मजबूरी है!
यह हकीकत की जमीन पर तब उतरेगा,
जब देश के हर नागरिक का व्यवहार बदलेगा।
जब 'नो टू प्लास्टिक' सिर्फ नारा नहीं, हमारा ईमान होगा,
तभी तो कचरे के इस दानव से मुक्त हिंदुस्तान होगा।

यह महज कोई बहस नहीं, हमारे अस्तित्व की लड़ाई है,
आराम के चक्कर में हमने खुद अपनी मौत बुलाई है।
आओ, नारों के घेरे से बाहर कदम बढ़ाएँ,
इस 'सपने' को अपनी आदत से 'हकीकत' बनाएँ।

संतोषी डनसेना (रूही)
जशपुर छत्तीसगढ़

लायंस क्लब हिसार सेंट्रल द्वारा पुण्यतिथि पर मोक्ष वृद्ध आश्रम में लंगर वितरण

हिसार (राजधानी चौपाल)
लायंस क्लब हिसार सेंट्रल द्वारा समाज सेवा की अपनी गौरवशाली परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाते हुए आज अत्यंत भावपूर्ण और अनुकरणीय सेवा कार्य का आयोजन किया गया। क्लब के पूर्व कोषाध्यक्ष राजकुमार छाबड़ा के पिता रामभक्त छाबड़ा की पुण्यतिथि के अवसर पर कैमरी रोड स्थित मोक्ष वृद्ध आश्रम में लंगर वितरण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस दौरान आश्रम के समस्त बुजुर्गों और आवासीय को आदरपूर्वक पौष्टिक भोजन करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए क्लब के अध्यक्ष संजय तनेजा ने कहा कि माता-पिता की स्मृति में की गई सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि होती है। लायंस क्लब हिसार सेंट्रल हमेशा से समाज के वंचित, जरूरतमंद और विशेषकर बुजुर्गों की सेवा के लिये पूरी निष्ठा के साथ समर्पित रहा है। उन्होंने वृद्धजनों का आशीर्वाद लेते हुए दृढ़ संकल्प व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी क्लब द्वारा इस मोक्ष वृद्ध आश्रम में निरंतर विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य, स्वास्थ्य जांच शिविर और अन्य आवश्यक सहायता अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

इस अवसर पर मौन रखकर व श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से क्लब के अध्यक्ष संजय तनेजा, सचिव विजय कुमार सिंगल, पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अरोड़ा, प्रोजेक्ट चेयरमैन व पूर्व कोषाध्यक्ष राजकुमार छाबड़ा, वरिष्ठ सदस्य सुरेंद्र छिंदा, राजकुमार माटा, नीरज वर्मा, शम्मी नागपाल, राधेश्याम कुकरेजा, संजय अरोड़ा, हरीश बजाज, कृष्ण कक्कड़ सहित क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

राजेन्द्र सोरखी आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य निर्वाचित

हिसार (राजधानी चौपाल)
आम आदमी पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी को पार्टी के प्रति पूर्ण निष्ठा, मेहनत व पार्टी के उत्थान के लिये कार्य करने पर राष्ट्रीय परिषद में जगह दी गई है। राजेन्द्र सोरखी के समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है। राजेन्द्र सोरखी ने उन्हें पार्टी की राष्ट्रीय परिषद का निर्विरोध सदस्य चुने जाने पर पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल व शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि पार्टी ने जनता की सेवा के लिये नई जिम्मेदारी दी है। वे इस पर खरा उतरने के लिये पूर्व की भांति जी-जान से कार्य करेंगे तथा पार्टी को शिखर पर ले जाने के लिये पुरजोर कोशिश करेंगे। जल्द ही पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकें बुलाकर पार्टी को और मजबूत बनाने की दिशा में कारगर योजना पर काम किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जींद आगमन को लेकर भाजपा पूरी तरह तैयार

हिसार (राजधानी चौपाल)
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को जींद आगमन एवं देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के शुभारंभ कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी, जिला हिसार की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि हरियाणा की पावन धरती से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाया जाना पूरे प्रदेश के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और हरित, आधुनिक एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि प्रत्येक बूथ, मंडल एवं मोर्चा स्तर तक व्यापक जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि हिसार जिला की उपस्थिति इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सबसे प्रभावशाली रहे।

रिटायर्ड कर्मचारी महासंघ भी आंदोलन में कूदा, सांझा संघर्ष समिति को दिया खुला समर्थन

9 जुलाई को जीएम घेराव और 10-11 जुलाई की हड़ताल का फैसला अटल, तैयारियां जोरों पर

हिसार (राजधानी चौपाल)
हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो में कर्मचारियों के लंबित वित्तीय लाभों को लेकर चल रहा आंदोलन अब और व्यापक होता जा रहा है। आंदोलन के 55वें दिन बुधवार को हरियाणा रोडवेज रिटायर्ड कर्मचारी महासंघ ने भी आंदोलनरत सांझा संघर्ष समिति के समर्थन में खुलकर मैदान में उतरते हुए महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव किया। महासंघ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 9 जुलाई को महाप्रबंधक कार्यालय के घेराव और 10-11 जुलाई की प्रस्तावित हड़ताल में सेवानिवृत्त कर्मचारी भी पूरी ताकत के साथ भाग लेंगे।

महासंघ की ओर से बलबीर देशवाल की अध्यक्षता में आयोजित घेराव के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित वित्तीय लाभ, मेडिकल भत्ता, महंगाई भत्ता (डीए), रात्रि ठहराव भत्ता सहित अन्य देयकों का तत्काल भुगतान करने की मांग उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान राजपाल नैन, एमएल सहगल, नरेश गोयल, राजबीर सिंधू, महेंद्र स्याहड़वा, विजय सिवाच, रूप सिंह बोस व रघबीर बड़सी ने कर्मचारियों को संबोधित किया।

वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने वैध अधिकारों के लिए बार-बार आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जो प्रशासन की उदासीन कार्यप्रणाली को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक विभाग की सेवा करने वाले कर्मचारियों को उनके वैध वित्तीय लाभों के लिए भटकना पड़ रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रशासन से सभी लंबित भुगतान बिना किसी और देरी के जारी करने की मांग की।

घेराव के बाद रिटायर्ड कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी हरियाणा रोडवेज हिसार में महाप्रबंधक के खिलाफ पिछले कई दिनों से चल रहे सांझा संघर्ष समिति के धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। महासंघ के नेताओं ने कहा कि यह लड़ाई केवल वर्तमान कर्मचारियों की नहीं, बल्कि पूरे कर्मचारी वर्ग के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। यदि प्रशासन ने समय रहते समाधान नहीं किया तो रिटायर्ड कर्मचारी भी आंदोलन की हर रणनीति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उधर, आंदोलन को और व्यापक बनाने के उद्देश्य से सांझा संघर्ष समिति के प्रतिनिधि हांसी डिपो में आयोजित विशाल गेट मीटिंग में भी पहुंचे। बैठक की अध्यक्षता सोनू मोर ने की। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने

कहा कि कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित वित्तीय लाभों को लेकर बार-बार किए गए आग्रह के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अब कर्मचारियों का धैर्य जवाब दे चुका है और निर्णायक संघर्ष का समय आ गया है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर संगठन के बैनर तले एकजुट होने तथा 9 जुलाई के महाप्रबंधक कार्यालय घेराव और 10-11 जुलाई की हड़ताल को ऐतिहासिक सफलता दिलाने का आह्वान किया।

सांझा संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने रिटायर्ड कर्मचारी महासंघ द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों का साथ आंदोलन को नई ऊर्जा, नैतिक बल और व्यापक जनसमर्थन प्रदान करेगा। समिति ने विश्वास जताया कि कर्मचारियों और पेंशनरों की यह अभूतपूर्व एकजुटता प्रशासन को लंबित मांगों के समाधान के लिए मजबूर करेगी।

राम मंदिर और मनसा देवी मंदिर चढ़ावा लूट मामले पर बरसे डॉ. सुशील गुप्ता, कहा-बड़े डाकूओं को बचा रही है भाजपा सरकार

हिसार (राजधानी चौपाल)
आम आदमी पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता की अध्यक्षता में प्रदेशभर में संगठन को मजबूत करने और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए बैठकों का दौर जारी है। इसी कड़ी में हांसी जिले के सोरखी गांव में पार्टी के सक्रिय एवं ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गईं। इन बैठकों में पार्टी को धरातल पर मजबूत करने, आगामी लक्ष्यों को तय करने और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक के दौरान हांसी के सक्रिय कार्यकर्ताओं में अद्भुत जोश और उत्साह देखने को मिला। सोरखी पहुंचने पर हांसी जिला के पार्टी अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी व कार्यकर्ताओं ने डॉ. सुशील गुप्ता का जोरदार अभिनंदन किया।

भाजपा सरकार और कानून-व्यवस्था पर बोला तीखा हमला
कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ. सुशील गुप्ता ने राम मंदिर अयोध्या और मनसा देवी मंदिर पंचकूला में चढ़ावा लूट के मामले पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने सरकार की कड़े शब्दों में भर्त्सना करते हुए कहा कि सरकार इस महाघोटाले के बड़े डाकूओं पर कार्रवाई करने से कतरा रही है और उन्हें बचाने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही, उन्होंने हरियाणा के पानी के अधिकार का गंभीर मुद्दा उठाते हुए कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दबाव में आकर हरियाणा के हिस्से का पानी राजस्थान को दिया जा रहा है। आम आदमी पार्टी हरियाणा के हकों और इसके पानी के साथ किसी भी सूरत में ऐसा घिनौना खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। हांसी के चानौत गांव वासियों की पानी की मांग का भरपूर समर्थन किया।

हांसी में भी अपराधियों और नशे का बोलबाला : राजेन्द्र सोरखी
हांसी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने अपने संबोधन में प्रदेश की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री प्रदेश में सुरक्षा और कानून का राज बनाए रखने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। आज हरियाणा में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं, हर तरफ सरेआम फिरौतियां वसूली जा रही हैं और धमकियां दी जा रही हैं। प्रदेश की माताएं-बहनें और महिलाएं आज खुद को पूरी तरह असुरक्षित महसूस कर रही हैं। हांसी में भी अपराधियों और नशे का बोलबाला बढ़ता जा रहा है।

कार्यकर्ताओं का जोश ही असली ताकत
डॉ. सुशील गुप्ता ने हांसी बैठक में कार्यकर्ताओं की पीठ थपथपाते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का यही जोश, लग्न और अटूट परिश्रम ही आम आदमी पार्टी की असली पूंजी और ताकत है। हांसी के कार्यकर्ताओं के उत्साह से साफ है कि जनता बदलाव के लिए तैयार है। आज नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने की रणनीति बन चुकी है और पार्टी जनता के हकों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ेगी।

बैठक में उपस्थित मुख्य पदाधिकारी
हांसी की इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रुप से आम आदमी पार्टी हरियाणा के संगठन मंत्री अश्वनी दुल्हेड़ा, राजेन्द्र शर्मा, रामनाथ धुआरिया, हांसी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन जैन, हांसी हल्का अध्यक्ष रमेश पानू, एक्स सर्विसमैन विंग जिला अध्यक्ष अजय शास्त्री, हांसी हल्के के युवा हल्का अध्यक्ष सुमेर मलिक, हल्का अध्यक्ष नारनौंद सुभाष लोहान, एससी विंग के जिला अध्यक्ष अजय कुमार सहित पार्टी के भारी संख्या में वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी व कर्मठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

1-6. फोटो कैप्शन : आम आदमी पार्टी की सोरखी में हुई बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता, हांसी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी व उपस्थित सक्रिय कार्यकर्ता।

मजबूत संगठन व समर्पित कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत : डॉ. आशा खेदड़

हिसार (राजधानी चौपाल)
भारतीय जनता पार्टी ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में भाजपा हिसार जिला की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में डोगरान मोहल्ला स्थित पूर्व डिप्टी मेयर एवं जिला उपाध्यक्ष अनिल सैनी के निवास पर आयोजित हुई। बैठक में जिला पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों और मंडल प्रभारियों ने संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियान और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत मंथन किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि बूथ ही भाजपा की असली शक्ति है और जब बूथ मजबूत होगा तो संगठन स्वतः मजबूत होगा। इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, अनुशासन और जवाबदेही के साथ निर्वहन करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गांव-गांव और बूथ-बूथ तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल चुनावी राजनीति तक सीमित पार्टी नहीं है, बल्कि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला संगठन है। केंद्र और हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच लगातार संवाद बनाए रखना होगा। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को समयबद्ध, प्रभावी और जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का भी आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ व उपस्थित पदाधिकारी। बैठक में पहुंचने पर जिला अध्यक्ष का स्वागत करते पदाधिकारी।

डॉ. खेदड़ ने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता, आपसी समन्वय और जनता के बीच सतत उपस्थिति ही भाजपा की निरंतर सफलता का आधार रही है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने तथा पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि बैठक में पहुंचने पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ का पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जिला उपाध्यक्ष एवं मेजबान अनिल सैनी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संगठन हित में सामूहिक रूप से कार्य करने और प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। बैठक में जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, रामफल नैन, मुनीष ऐलावादी, सतीश सुरलिया, जिला सचिव कृष्ण खटाना, कुलदीप डेलू, भूप सिंह रोहिल्ला, जिला कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, सुरेन्द्र सिंह सैनी, जिला प्रवक्ता पीयूष महता, जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, सुरेश जांगड़ा, अमर पातड़, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार इंदौरा, किसान मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट अजय बेनीवाल, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विनोद तोसावड़, अनिल गोदारा व सीमा गोदारा सहित जिला, मंडल एवं विभिन्न मोर्चों के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राम मंदिर और मनसा देवी मंदिर चढ़ावा लूट मामले पर बरसे डॉ. सुशील गुप्ता, कहा-बड़े डाकूओं को बचा रही है भाजपा सरकार

हिसार (राजधानी चौपाल)
एम आई एस पोर्टल पंजीकृत प्राइवेट स्कूल संघ अध्यक्ष अनिल शर्मा सातरोडिय़ा ने कहा कि आखिर शिक्षा निदेशालय कब तक स्कूल बंद करने एवं ताला जडऩे की चेतावनी देकर हरियाणा भर के 22 जिलों में संचालित 1107 निजी स्कूलों के एम आई एस पोर्टल बंद करता रहेगा। उन्होंने कहा कि बड़े दु:ख की बात है कि इस बार तो मुख्यमंत्री महोदय श्री नायब सिंह सैनी जी ने भी इस कार्य में विशेष रुचि दिखाते हुए इन स्कूलों को ब्लैक लिस्ट करने के आदेश दिए हैं।

अनिल शर्मा सातरोडिय़ा ने बताया कि इस बात को सभी जानते हैं कि उपरोक्त सभी स्कूलों को एम आई एस पोर्टल पर स्कूल कोड के साथ पंजीकृत करने का कार्य लगभग 15 वर्ष पूर्व हरियाणा शिक्षा निदेशालय पंचकूला द्वारा किया गया। इसलिए एम आई एस पोर्टल पंजीकृत प्राइवेट स्कूल संघ की तरफ से हम मुख्यमंत्री महोदय से पूछना चाहते हैं कि उपरोक्त 1107 निजी स्कूलों पर ताला जडऩे के आदेश देने का आखिर सरकार के पास आधार क्या है? इन निजी स्कूलों में अपनी मर्जी से पढऩे वाले बच्चों के भविष्य के साथ आप खिलवाड़ कैसे कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जब सरकार किसी शिक्षित व्यक्ति को रोजगार नहीं दे सकती तो फिर इन निजी स्कूलों में कार्यरत हजारों शिक्षकों, स्कूल बस ड्राईवर व अन्य कर्मचारियों को बेरोजगार करने का काम भी सरकार किस आधार पर कर सकती है?

उन्होंने कहा कि शिक्षा निदेशालय की तरफ से लोगों में भ्रम फैलाया जा रहा है कि उपरोक्त निजी स्कूलों ने बार-बार चेतावनी के बावजूद आरटीई के तहत नियमों का पालन नहीं किया, बल्कि हकीकत यह कि इन सभी निजी स्कूलों पर स्थाई मान्यता नहीं होने के कारण शिक्षा निदेशालय पंचकूला की तरफ से इन सभी स्कूलों को गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा देनें की श्रेणी से ही बाहर रखा हुआ है। इसलिए उपरोक्त स्कूलों के एम आई एस पोर्टल बंद करने का यह कारण बनता ही नहीं है। इसलिए हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, एवं मौलिक शिक्षा निदेशक मनिता मलिक से निवेदन करते हुए अनिल शर्मा सातरोडिय़ा ने कहा कि प्रदेश के 1107 निजी स्कूलों को इनकी लगभग 20 साल की कार्यशैली को देखते हुए स्थाई मान्यता के नियमों में सरलीकरण किया जाए और उपरोक्त सभी स्कूलों को स्थाई मान्यता दी जाए ताकि इन स्कूलों में पढऩे वाले गरीब घरों के बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके एवं निजी स्कूलों में कार्यरत हजारों शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों का रोजगार बच सके।

जारीकर्ता
अनिल शर्मा सातरोडिय़ा
अध्यक्ष, एमआईएस पोर्टल पंजीकृत प्राइवेट स्कूल संघ
मो. 9812130243

रोडवेज कर्मचारियों ने हड़ताल वापिस ली, एसडीएम की मध्यस्थता से सुलझा मामला

हिसार (राजधानी चौपाल)
राज्य परिवहन के हिसार डिपो के कर्मचारियों का संघर्ष रंग लाया है। डिपो में शुक्रवार सुबह से की गई हड़ताल को देखते हुए एसडीएम ज्योति मित्तल की मध्यस्थता से मामला सुलझ गया है, जिसके चलते सांझा मोर्चा ने हड़ताल वापिस ले ली और पिछले 58 दिनों से चल रहा धरना भी स्थगित कर दिया। इससे पहले गुरुवार शाम से महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव व शुक्रवार तड़के तीन बजे से सांकेतिक हड़ताल जारी रही। दोपहर तक हिसार डिपो व हांसी सब डिपो में पूरी तरह हड़ताल रही और धरने पर कर्मचारियों ने महाप्रबंधक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने महाप्रबंधक को उनकी मांगे वेबजह लटकाने का आरोप लगाया। सांझा संघर्ष समिति के अनुसार उनके धरने व हड़ताल को उस समय और ताकत मिली जब, किलोमीटर स्कीम की बसों के कर्मचारी व कौशल रोजगार के तहत लगे कर्मचारियों ने भी धरनास्थल पर पहुंचकर उनकी हड़ताल की समर्थन किया।

सांझा संघर्ष समिति के प्रेस प्रवक्ता संदीप जैनावास ने बताया कि दोपहर को एसडीएम ज्योति मित्तल, यातायात प्रबंधक प्रीतम कुमार, खंड विकास अधिकारी व अन्य बातचीत करने व हड़ताल खुलवाने डिपो में पहुंचे। यहां पर सांझा मोर्चा के राज्य पदाधिकारी भी आए हुए थे। राज्य पदाधिकारियों व एसडीएम ज्योति मित्तल के बीच लगभग दो घंटे से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद समझौता हुआ। इसके तहत नाइट व अन्य भत्ते कर्मचारियों के खाते में आने शुरू हो जाएंगे और मांग पत्र में बची अन्य मांगों पर 25 जुलाई तक काम हो जाएगा। इस पर राज्य पदाधिकारियों ने डिपो पदाधिकारियों की सहमति से हड़ताल वापिस लेने की घोषणा कर दी। सांझा संघर्ष समिति ने घोषणा की है कि सहमति के बाद डिपो में 58 दिनों से चलाया जा रहा धरना भी स्थगित कर दिया गया है।

हिसार डिपो सांझा संघर्ष समिति ने समझौते पर सहमति जताते हुए उम्मीद जताई है कि अधिकारी तय समय सीमा में उनकी बची हुई मांगों पर कार्रवाई करेंगे। सांझा संघर्ष समिति के अनुसार शुक्रवार को की गई हड़ताल के मंच का संचालन अरुण शर्मा ने किया, जबकि हड़ताल की अध्यक्षता स्टेट बॉडी के प्रधानों ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से जयबीर सिंह घनघस, जगदीप लाठर, मायाराम उनियान, बलदेव सिंह मामू माजरा, विकास, संदीप रंगा, राजबीर दुहन, शिव कुमार श्योराण, रिटायर्ड कर्मचारी महासंघ से राजपाल नैन, एमएल सहगल, राजबीर सिंधु, सुभाष ढिल्लो, विजय सिवाच व सुरेंद्र मलिक विशेष रूप से मौजूद रहे। समिति के अनुसर हड़ताल में हिसार डिपो व हांसी सब डिपो में चेकिंग स्टाफ, वर्कशॉप स्टाफ, क्लर्क बाबू, चालकों व परिचालकों ने शत-प्रतिशत हड़ताल में भाग लिया।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व : डॉ. अशोक गोदारा

हिसार (राजधानी चौपाल)
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अभाविप-एग्रीविज़न की ओर से 'एक वृक्ष-एक कार्यकर्ता' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान व अन्य स्थानों पर आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। हौटा अध्यक्ष डॉ. अशोक गोदारा ने इस अवसर पर कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि मानव जीवन का आधार हैं। प्रत्येक विद्यार्थी यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सकेगा। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। विद्यार्थी परिषद का यह अभियान युवाओं को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

एग्रीविज़न के राष्ट्रीय सह-संयोजक शिवम पांडेय ने इस अवसर पर कहा कि 'एक वृक्ष-एक कार्यकर्ता' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है। अभाविप विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जनभागीदारी बढ़ाने का कार्य निरंतर करती रहेगी।

कार्यक्रम में डॉ. अशोक गोदारा के अलावा फार्म निदेशक डॉ. ओपी बिश्नोई, सीएसओ सुखबीर सिंह, एग्रीविज़न के राष्ट्रीय सह-संयोजक शिवम पांडेय, प्रांत संयोजक अंकित, सह-संयोजक रोहित विश्नोई, विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष मनोज सैनी, अभिषेक राजपूत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प दोहराया।

एक नजर

कांग्रेस ने मणिपुर में अतिरिक्त महासचिव, सचिव नियुक्त किये

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर प्रदेश कांग्रेस समिति में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त महासचिवों और सचिवों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार देर रात बताया कि पार्टी ने प्रदेश इकाई में आठ अतिरिक्त महासचिव तथा 25 सचिव नियुक्त किये हैं। अतिरिक्त महासचिव के रूप में पी. शरतचंद्र सिंह, मोहम्मद सिराज अहमद, मुतुम रंजीत सिंह, चौबा सिंह, पी. बंकिमचंद्र मीतेई, जी. थियामपुनिया, मोहम्मद वाहिदुर रहमान और डब्ल्यू. श्यामजई सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

एनटीए को भंग करें, धर्मेंद्र प्रधान दें इस्तीफा : कांग्रेस

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। कांग्रेस ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने एजेंसी को जानबूझकर कमजोर और अक्षम बनाया है, जिससे कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं में भी पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के मामले सामने आ रहे हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि गत मई में नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक होने के कुछ ही दिनों बाद शिक्षा मंत्री ने घोषणा की थी कि अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इससे संदेश देने का प्रयास किया गया कि पेन-पेपर आधारित परीक्षा के विपरीत सीबीटी में पेपर लीक नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि अब खबरें हैं कि यूजीसी-नेट समाजशास्त्र परीक्षा का पेपर, सीबीटी होने के बावजूद, लीक हुआ हो सकता है। इससे पहले यूजीसी-नेट अंग्रेजी परीक्षा में भी बिना किसी बदलाव के लगभग पूरे प्रश्न पुराने प्रश्न पत्रों से पूछे जाने के आरोप सामने आए थे। रमेश ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि परीक्षा का प्रारूप चाहे पेन-पेपर हो या सीबीटी, पेपर लीक और अन्य अनियमितताएं इसलिए हो रही हैं क्योंकि मोदी सरकार का शिक्षा मंत्रालय 'कॉम्प्रोमाइज' हो चुका है और एनटीए को जानबूझकर कमजोर तथा अक्षम बनाया गया है। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और एनटीए को भंग करने की मांग दोहराई।

केलांग में बनेगा आईसीएमआर का पहला उच्च

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा शनिवार को हिमाचल प्रदेश के लाहौल एवं स्पीति जिले के केलांग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के उच्च हिमालयी चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास करेंगे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह भारत का पहला समर्पित अनुसंधान केंद्र होगा, जो उच्च हिमालयी क्षेत्रों की स्वास्थ्य चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और पर्वतीय चिकित्सा पर केंद्रित अनुसंधान करेगा। आईसीएमआर के मौजूदा फील्ड स्टेशन को उन्नत कर इसे बहुविषयक अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, हिमालयी क्षेत्रों में अधिक ऊंचाई, प्रतिकूल मौसम, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां और जलवायु परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य सेवाओं के सामने विशेष चुनौतियां हैं। नया केंद्र उच्च हिमालयी शरीर क्रिया विज्ञान, पर्वतीय चिकित्सा, जलवायु-संवेदनशील एवं उभरते रोग, संक्रामक और गैर-संचारी रोग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य तथा आपदा चिकित्सा जैसे विषयों पर अनुसंधान करेगा।

हरियाणा के हर जिला में प्रकृति श्री अन्न प्रेरक किसान कमेटी बनेगी: मुख्यमंत्री

प्राकृतिक खेती विकसित भारत का सबसे मजबूत स्तंभ : सैनी

- प्राकृतिक खेती केवल खेती की तकनीक नहीं, धरती बचाने और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करने का राष्ट्रीय अभियान

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज एक बड़ा ऐलान किया है, उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रकृति श्री अन्न प्रेरक किसान कमेटी बनाई जाएगी, यह कमेटी हर जिला में होगी। इस कमेटी का मुख्य कार्य किसानों से संपर्क करना, उनके फार्म पर जाना और सरकार से सामंजस्य करवाकर प्राकृतिक खेती के साथ जोड़ने का कार्य होगा। यह एक तरह से प्राकृतिक खेती के प्रेरक एम्बेस्डर होंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को पंचकूला में हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान किसानों से संवाद भी किया, मुख्यमंत्री ने किसानों से मिले सुझावों को जल्द पूरा करवाने की दिशा में काम करने का आश्वासन भी दिया। साथ ही उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती करने वाले जिन किसानों ने गाय खरीदने के लिए सब्सिडी के लिए आवेदन किया है, उन्हें सब्सिडी जारी कर दी जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल खेती करने का एक तरीका नहीं, बल्कि किसान, प्रकृति और समाज के बीच टूट चुके संबंधों को फिर से मजबूत करने का अभियान है। यह धरती माता की सेवा, खेती की लागत कम करने, जल और मिट्टी के संरक्षण तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का माध्यम है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती के ब्रांड एंबेसडर बनने का आह्वान करते हुए कहा कि अब केवल चिंतन नहीं, बल्कि अमल करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का समय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समय-समय पर किसानों से सीधा संवाद करेगी और प्राकृतिक खेती के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती पर प्रत्येक माह इसी प्रकार के संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि बड़े सेमिनारों में गुजरात के राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत को भी आमंत्रित किया जाएगा ताकि किसान उनके अनुभवों से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि आज का सेमिनार केवल प्राकृतिक खेती की तकनीक सीखने का अवसर नहीं है, बल्कि किसान और प्रकृति के बीच सदियों पुराने अटूट रिश्ते को फिर से मजबूत करने का अभियान है। पहले खेती का संबंध धरती माता और गौ माता से था। यही संबंध किसान के जीवन में समृद्धि और खुशहाली लेकर आता था, लेकिन समय के साथ यह रिश्ता कमजोर हुआ और आज प्राकृतिक आपदाएं तथा पर्यावरणीय संकट हमारे सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव ने विकास तो किया है, लेकिन कहीं न कहीं धरती का अत्यधिक दोहन भी किया है। आज सवाल यह नहीं है कि खाद और कीटनाशकों की कमी है, बल्कि यह है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी धरती और कैसा पर्यावरण छोड़कर जा रहे हैं। हमारे पूर्वज हमें भरपूर भूजल और उपजाऊ मिट्टी देकर गए थे, लेकिन आज कई क्षेत्रों में भूजल स्तर हर सीजन में 20 से 25 फुट तक नीचे जा रहा है। इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पहले श्रमिक मंडियों में अनाज की भारी-भरकम बोरियां आसानी से उठा लेते थे, लेकिन आज बदलती जीवनशैली, रासायनिक खेती और प्राकृतिक असंतुलन के कारण सभी के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसलिए खेती की दिशा बदलना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट विजन है कि प्राकृतिक खेती 21वीं सदी की आवश्यकता है। यह केवल खेती की नई पद्धति नहीं, बल्कि धरती बचाने का अभियान है। यह किसानों की लागत कम करने, पर्यावरण संरक्षण करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्ध भारत बनाने का माध्यम है। भारतीय संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया गया है और उसकी सेवा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे प्राकृतिक खेती के एंबेसडर बनकर गांव-गांव लोगों को इसके लाभ बताएं। उन्होंने कहा कि केवल चर्चा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि स्वयं भी प्राकृतिक खेती अपनानी होगी और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को नकली बीज और दवाइयां ना मिले, इसे रोकने के लिए राज्य सरकार ने विधानसभा में कड़ा कानून बनाया है।

निर्धारित नियमों के अनुरूप हो बूथों का रेशनलाइजेशन का कार्य : मीणा

- गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन, एबसेंट, शिफ्टेड, डेड एवं डुप्लीकेट श्रेणी से संबंधित शत-प्रतिशत कार्य समय पर किया जाए पूरा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत चलाए जा रहे अभियान के तहत किए गए 75.37 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण हो चुका है। इस कार्य को आयोग द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा किया जाए। इसके अलावा बूथों का रेशनलाइजेशन कार्य भी निर्धारित नियमों के अनुरूप कर लिया जाए। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 14 जुलाई समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस अवधि से पहले ही जिला में विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े सभी कार्य पूरे कर लिए जाएं, ताकि उनकी विस्तृत समीक्षा कर किसी भी प्रकार की त्रुटि का समय रहते निराकरण किया जा सके। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन, एएसडीडी (एबसेंट, शिफ्टेड, डेड एवं डुप्लीकेट) श्रेणी से संबंधित कार्य हर हाल में समयबद्ध पूरा किया जाए। एएसडीडी श्रेणी के मतदाताओं की अलग सूची तैयार कर प्रत्येक मामले का निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में जहां 75.37 प्रतिशत फार्मों का डिजिटाइजेशन हुआ है, इनमें लाडवा विधानसभा में 81.65 प्रतिशत, शाहबाद विधानसभा में 86.78 प्रतिशत, थानेसर विधानसभा में 61.29 प्रतिशत, पिहोवा विधानसभा में 75.01 प्रतिशत का आंकड़ा शामिल है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में कुल 7 लाख 83 हजार 831 मतदाताओं को लेकर एसआईआर का कार्य तेज गति के साथ किया जा रहा है। इस कार्य में 810 बीएलओ पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रहे है। इन बीएलओ के अलावा विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त किए गए बीएलए भी एन्यूरेशन फार्मों के कार्य में अपना योगदान दे रहे है।

हरियाणा सुपर-100 की एक्सटेंडेड 100 सीटों के लिए पंजीकरण प्रारम्भ, पात्र विद्यार्थी करें आवेदन : विनोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, 9 जुलाई। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा हरियाणा सुपर-100 कार्यक्रम के अंतर्गत एक्सटेंडेड 100 सीटों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। जिले के सभी सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कक्षा 11 वीं विज्ञान संकाय के ऐसे विद्यार्थियों की पहचान कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित करें, जो कक्षा 10 में सुपर-100 कार्यक्रम के लिए पंजीकरण नहीं कर पाए थे अथवा पंजीकरण के बावजूद लेवल-1 या लेवल-2 प्रवेश परीक्षा में किसी कारणवश सम्मिलित नहीं हो सके थे। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि पात्र विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है ताकि वे सुपर-100 कार्यक्रम का हिस्सा बनकर जेईई एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क गुणवत्तापूर्ण तैयारी का लाभ उठा सकें। जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. तरसेम कौशिक ने कहा कि सुपर-100 कार्यक्रम का ऑनलाइन पंजीकरण 09 जुलाई 2026 से प्रारम्भ हो चुका है, 12 जुलाई 2026 से प्रवेश-पत्र डाउनलोड किए जा सकेंगे तथा 14 जुलाई 2026 को लेवल-1 प्रवेश परीक्षा कुरुक्षेत्र में आयोजित की जाएगी। सुपर 100 लेवल-1 का परिणाम 17 जुलाई 2026 को घोषित किया जाएगा, 19 जुलाई 2026 को लेवल-2 प्रवेश परीक्षा होगी, 23 जुलाई 2026 को लेवल-2 का परिणाम घोषित किया जाएगा तथा चयनित विद्यार्थियों की कक्षाएं 25 जुलाई 2026 से प्रारम्भ होंगी। उन्होंने कहा कि सुपर-100 कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी विद्यार्थियों को जेईई एवं नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग उपलब्ध कराना है। यह विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है।

मिशन ओलम्पिक के लक्ष्य अनुसार खिलाड़ियों को किया जाएगा तैयार

- खेल सुविधाओं के लिए लगभग 800 करोड़ का किया प्रावधान : सैनी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मिशन ओलम्पिक 2036 के लक्ष्य अनुसार खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मेडल लाने के लिए राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकसति करने हेतू प्रथम चरण में 11 सेंटर विकसित किए जाऐं। इसके लिए लगभग 800 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री मिशन ओलम्पिक को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक मे हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन केन्द्रों में स्पोर्टस युनिवर्सिटी राई, स्टेट स्पोर्टस कॉम्पलेक्स पलवल, टीडीएल स्पोर्टस कॉम्पलेक्स पंचकूला, अम्बाला, कुरूक्षेत्र के अलावा स्पोर्टस कॉम्पलेक्स प्राईवेट अकेडमी करनाल, जीन्द, गोहाना, यमुनानगर शामिल है। बैठक के दौरान नए खिलाड़ियों को तैयार करने बारे विस्तार से चर्चा हुई जिसमें 13 से 16 वर्ष आयु वर्ग के युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि ओलम्पिक 2036 टेलेंट मिशन के तहत स्पोर्टस युनिवर्सिटी राई को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसकी देखरेख खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन केन्द्रों में 1200 बच्चों को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। इससे पूर्व वर्ष 2028 में होने वाले एशियन गेम्मस के लिए भी अधिक से अधिक खिलाड़ियों को तैयार करने हेतु बेहतर प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों के लिए ओलम्पिक पदक विजेता कोच लगाए जाएगें। इसके अलावा 23 अन्य खेल सेंटर भी विकसित किए जाएगें। जिनमें खिलाड़ियों के रहने व खाने की व्यवस्था होगी।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, प्रधान सचिव अरूण गुप्ता, आयुक्त एवं सचिव सी जी रजनीकांथन, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव डा. यशपाल, अजय कुमार, कैप्टन मनोज कुमार, निदेशक पार्थ गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

श्री कांची कामकोटि के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती राष्ट्र के गौरव है : डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र

- श्री कांची कामकोटि के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र से शिष्टाचार भेंट की

कुरुक्षेत्र (राजधानी चौपाल)। सनातन धर्म मानव सभ्यता की उन वायरल परंपराओं में से एक है, जिसने न केवल समय की कसौटी पर स्वयं को सिद्ध किया है, बल्कि प्रतीक युग में मानव जीवन को नई दिशा प्रदान की है। यह उदगार श्री कांची कामकोटि के जगदुरू शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने नई दिल्ली स्थित श्री कांची कामकोटि पीठम सांस्कृतिक केंद्र में मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र से एक शिष्टाचार भेंट में व्यक्त किए। स्वामी विजयेन्द्र सरस्वती ने कहा आधुनिक विश्व में जब मानव समाज तकनीकी उन्नति, मानसिक तनाव, सामाजिक विघटन, नैतिक संकट और पर्यावरणीय असंतुलन का सामना कर रहा है, तब सनातन धर्म का समग्र जीवन दर्शन पहले से अधिक प्रासंगिक हो गया है। सनातन धर्म मनुष्य को केवल ईश्वर केंद्रित नहीं बनाता बल्कि आत्म केंद्रित, कर्तव्य निष्ट और समाजोपयोगी बनता है। आज आवश्यकता है संपूर्ण देश एकजुट होकर भारत राष्ट्र को सब प्रकार से सशक्त करते हुए एक विकसित भारत का निर्माण करें। डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कांची कामकोटि पीठम भारत की सनातन चेतना का जीवंत केन्द्र है। युगों से यह पीठ वेद, उपनिषद, शास्त्र, धर्म, संस्कृति और राष्ट्रधर्म के संरक्षण का दिव्य दायित्व का अद्भुत निर्वहन कर रही है। आज भी उसकी यह ज्योति सम्पूर्ण विश्व को भारतीय अध्यात्म का मार्ग दिखा रही है।कांची कामकोटि पीठ का धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से बहुत ही आत्मीय, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध है। गीता जन्मस्थली ज्योतिसर में आदिगुरु शंकराचार्य का प्रत्यक्ष आगमन हुआ था। उनकी स्मृति में श्री आदि शंकराचार्य मंदिर आज भी स्थित है। गीता जन्मस्थली में बना श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को गीतोपदेश देते हुए रथ श्री कांची कामकोटि के तत्कालीन जगदुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित किया गया है।

उद्यान विश्वविद्यालय करनाल को मिला एग्रीकल्चर लीडरशिप अवार्ड, राजनाथ सिंह ने किया सम्मानित

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। महाराणा प्रताप हॉर्टिकलचर यूनिवर्सिटी करनाल के माननीय कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को एग्रीकल्चर अवार्ड-2026 देकर सम्मानित किया। ये अवार्ड कुलपति प्रो. सुरेश को उनकी बागवानी के क्षेत्र में उपलब्धियों ओर विश्व स्तरीय रिसर्च से किसानों के जीवन में आए बदलावों के कारण मिला। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों अवार्ड मिलना, प्रदेश व यूनिवर्सिटी परिवार के लिए गर्व की बात है। 17 वें एग्रीकल्चर लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन नई दिल्ली स्थित ओबेरॉय होटल में किया गया, कॉन्क्लेव में एमएचयू कुलपति ने बतौर विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम का थीम फीडिंग द फ्यूचर (भविष्य के लिए भोजन) पर केंद्रित था। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सहित प्रदेश के मंत्रियों ने विशेषतौर से शिरकत की। देश की महान वैज्ञानिक हस्तियों के साथ एमएचयू के माननीय कुलपति प्रो सुरेश मल्होत्रा जी का एक मंच पर शिरकत देशवासियों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा से सम्बधित समस्याओं के निवारण करने में विस्तृत व्याख्यान देना, एमएचयू परिवार के लिए बड़े गर्व की बात है। कुलपति ने दुनियाभर से आए महान वैज्ञानिकों के समक्ष न केवल भविष्य में भोजन सम्बधित समस्याओं के समाधान को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए, साथ ही विश्वस्तरीय वैज्ञानिकों के पूछे प्रश्नों के तथ्यप्रक उत्तर दिए। कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने अवार्ड मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि देश प्रदेश के वैज्ञानिक नए नए अनुसंधान कर रहे है, जिनकी बदौलत देश का खाद्यान्न भंडार भरे हुए है। लेकिन जिस प्रकार जनसंख्या बढ़ रही है, उसी अनुरूप वैज्ञानिक चिंतित है कि लोगों को पोषण युक्त भोजन मिले। जिसमें सभी प्रकार के पोषण से भरपूर हो। इसके अलावा ऐसी किसान खेती किसानी के तौर तरीकों को बदले, जिससे प्राकृतिक संसाधन कम से कम प्रभावित हो, पर्यावरणीय हितकारी हो। भारत सरकार व प्रदेश सरकार का सपना है कि देश प्रदेश में बागवानी खेती का रकबा बढ़े, फल, फूल, सब्जियां, मसाले, मशरूम आदि की खेती की ओर किसान ज्यादा से ज्यादा करें। इसके अलावा जिस प्रकार की खेती किसान भाई कर रहे है, उसमें पेस्टीसाइड, यूरिया, खाद की मात्रा न के बराबर हो। इसके लिए किसान भाईयों को कृषि-बागवानी वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की जा रही नई तकनीकों को अपनाना होगा, जो किसानों के साथ साथ देशहित में साबित होगी।

फर्जी दस्तावेजों से आदिवासियों की जमीन हड़पने के मामलों की सीबीआई करे जांच : कांग्रेस

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार आदिवासियों के वन अधिकारों का उल्लंघन कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनकी जमीन पूंजीपतियों और कारोबारी समूहों को सौंप रही है। पार्टी ने कहा कि विकास के नाम पर देशभर में आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन के अधिकारों का हनन हो रहा है और जहां भी इस तरह के मामले सामने आते हैं उनकी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराई जानी चाहिए। कांग्रेस कार्य समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य के. राजू तथा कांग्रेस अनुसूचित जनजाति विभाग के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विकास परियोजनाओं और खनन के लिए किये जा रहे भूमि अधिग्रहण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर कांग्रेस इन मामलों को न्यायालय में भी चुनौती देगी।

राजू ने आरोप लगाया कि सरकार विकास के नाम पर आदिवासियों का शोषण कर रही है और उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन अधिकार कानून के तहत आदिवासियों को मिले अधिकारों की अनदेखी कर फर्जी ग्राम सभाओं के माध्यम से वन भूमि के अधिग्रहण की अनुमति दी जा रही है तथा इसका लाभ चुनिंदा पूंजीपतियों और कॉरपोरेट घरानों को पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के विरोध में होने वाले शांतिपूर्ण आंदोलनों को पुलिस बल के जरिए दबाया जाता है। डॉ. भूरिया ने आरोप लगाया कि 'वोट चोरी के बाद अब अंगूठा चोरी' की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश के सिंगरौली में जिन लोगों का वर्षों पहले निधन हो चुका है, उनके नाम पर अंगूठे के निशान लगाकर भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई दिखाई गई। उन्होंने बृजभान सिंह, जगमंडल सिंह, नंदलाल सिंह खेरवार और सुखारिया खेरवार सहित कई मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी तथ्य आरटीआई के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों पर आधारित हैं। इन सभी मामलों की सीबीआई से जांच कराने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक संबंधित खनन एवं भूमि अधिग्रहण की प्रक्रियाओं पर रोक लगाई जानी।

हिमालयन गद्दी नस्ल के कुत्ते को मिला आधिकारिक केनेल क्लब पंजीकरण

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। स्कूबी और पुट्टो नाम के दो हिमालयन गद्दी नस्ल के श्वानों को आधिकारिक तौर पर भारतीय राष्ट्रीय केनेल क्लब में पंजीकृत किया गया है। यह इस स्वदेशी हिमालयी नस्ल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह पंजीकरण राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के इस नस्ल को औपचारिक रूप से मान्यता देने के बाद हुआ है, जिससे केनेल क्लब के प्रतिष्ठित रजिस्टर में इसे दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश और खासतौर पर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के मूल की इस गद्दी नस्ल का नाम गद्दी समुदाय के नाम पर रखा गया है। गद्दी दरअसल चरवाहों और चरवाहों का उस समूह का नाम है जो अपनी भेड़ों और बकरियों को शिकारियों से बचाने के लिए पीढ़ियों से इस कुत्ते का उपयोग कर रहा है। हिमालयन गद्दी मध्यम से बड़े आकार का, गठीले बदन वाला और पशुधन रक्षक कुत्ता है। यह ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों के अनुकूल होता है। इसका मोटा, घना रोआं कठोर पहाड़ी मौसम से सुरक्षा प्रदान करता है और यह आमतौर पर काले और भूरे, चितकबरे या ठोस काले रंग में पाया जाता है। अपनी सतर्कता और मजबूती के लिए प्रसिद्ध इस नस्ल का उपयोग पारंपरिक रूप से हिमालय की तलहटी में पाए जाने वाले तेंदुओं, भेड़ियों और अन्य जंगली जानवरों जैसे शिकारियों से पशुधन की रक्षा के लिए किया जाता रहा है। हिमालयन गद्दी मुख्य रूप से एक घरेलू पालतू जानवर के बजाय एक कामकाजी जानवर रहा है, जो ऊंचाई वाले चरागाहों में मौसमी चराई के दौरान झुंडों के साथ जाता है।

उप-राष्ट्रपति ने समुद्री मछली के सतत दोहन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की शुरूआत की

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश : राधाकृष्णन

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने गुरूवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में उच्च समुद्र में मत्स्य पालन के सतत दोहन के लिए अधिकार पत्र जारी करने के राष्ट्रीय कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने ओडिशा गहरे समुद्र में मत्स्य पालन मिशन दस्तावेज का भी विमोचन किया और देश भर के 10 मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों और मछुआरों को उच्च समुद्र में मछली पकड़ने के अधिकार पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप-राष्ट्रपति ने कहा कि यह पहल भारतीय मछुआरों को देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र और उच्च समुद्र की विशाल क्षमता का स्थायी रूप से दोहन करने में सक्षम बनाकर भारत की समुद्री यात्रा में एक नए अध्याय की शुरूआत करती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मत्स्य पालन क्षेत्र में विकास, निरंतरता और समृद्धि के एक नए युग की शुरूआत करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और मछुआरा समुदायों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

उप-राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे पास 11,000 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा और लगभग 24 लाख वर्ग किलोमीटर का विशेष आर्थिक क्षेत्र है, यह ऐसी विशाल समुद्री संपदा है जिसका बड़े पैमाने पर दोहन हो सकता है। उन्होंने कहा कि जहां पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने की गतिविधियां तट के करीब रही हैं, वहीं नया ढांचा भारतीय मछुआरों को टूना जैसी महंगी बिकने वाली प्रजातियों के सतत दोहन के लिए गहरे पानी में आत्मविश्वास से उतरने में सक्षम बनाएगा।

मत्स्य पालन क्षेत्र के तेजी से विकास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। यह वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग आठ प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लगभग तीन करोड़ मछुआरों और मछली पालक किसानों की आजीविका का समर्थन करता है और पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान समुद्री खाद्य निर्यात 73,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उच्च समुद्र पहल भारत की निर्यात क्षमता को और मजबूत करेगी तथा कटाई, प्रसंस्करण, शीत श्रृंखला, परिवहन, पैकेजिंग, रसद और निर्यात सेवाओं में रोजगार पैदा करेगी।

उप-राष्ट्रपति ने कहा कि नया ढांचा अधिकार पत्र जारी करने के लिए मत्स्य पालन सहकारी समितियों, मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों और मछुआरों को प्राथमिकता देता है। उन्होंने इस पहल को तटीय समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और इस बात पर जोर दिया कि सामूहिक प्रयास मत्स्य पालन क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव ला सकते हैं।

सतत तरीके से मछली पकड़ने को एक नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति समुद्री संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ चलनी चाहिए। उन्होंने अवैध और अनियमित मछली पकड़ने के खिलाफ उपायों को महत्व देते हुए अपनाना होगा। उपराष्ट्रपति ने मत्स्य पालन को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक अवसरों से संचालित एक आधुनिक पेशे के रूप में देखने का आग्रह करते हुए उन्होंने संस्थानों से विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए ज्ञान, प्रौद्योगिकी और वित्त के साथ मछुआरा समुदायों का समर्थन जारी रखने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कम्भमपति, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायती राज राज्य मंत्री प्रोफेसर एस. पी. सिंह बघेल, ओडिशा के मत्स्य पालन और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम राज्य मंत्री गोकुलानंद मल्लिक, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, मत्स्य पालन संस्थानों के प्रतिनिधि, मछुआरा संगठनों के प्रतिनिधि तथा अन्य हितधारक उपस्थित थे।

जल संरक्षण पर डॉ. ए.के. द्विवेदी के सुझावों की मंत्री तुलसी सिलावट ने की सराहना

अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही के दिए निर्देश

भोपाल (राजधानी चौपाल)| मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक, शिक्षाविद एवं कार्यपरिषद सदस्य, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय डॉ. ए.के. द्विवेदी द्वारा जल संरक्षण एवं जन-जागरूकता को लेकर प्रस्तुत सुझावों की मुक्त कंठ से सराहना की। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ÷आपका यह सुझाव अगली पीढ़ी के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा प्रदेश और देश दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।÷ डॉ. द्विवेदी ने मंत्री श्री सिलावट से भेंट कर प्रदेश के समस्त शासकीय एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में प्रतिवर्ष ÷जल ही जीवन है÷ विषय पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जाने का प्रस्ताव सौंपा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय के माध्यम से भी सुझाव प्रेषित किए गए थे, जिन पर संज्ञान लेते हुए जल संसाधन विभाग, इंदौर द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र जारी किया जा चुका है। भेंट के दौरान मंत्री श्री तुलसी सिलावट ने डॉ. द्विवेदी द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रस्ताव को सकारात्मक दृष्टिकोण से लेते हुए प्रमुख सचिव, जल संसाधन विभाग को आवश्यक अनुशंसा शीघ्र प्रेषित की जाए, विषय पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। डॉ. द्विवेदी ने अपने प्रस्ताव में प्रत्येक शिक्षण संस्थान को ÷वॉटर कंजर्वेशन कैंपस÷ के रूप में विकसित करने, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल संवर्धन को व्यवहारिक रूप से लागू करने, विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाने तथा निबंध, भाषण, वाद-विवाद, पोस्टर, चित्रकला, स्लोगन प्रतियोगिताओं एवं जन-जागरूकता रैलियों के माध्यम से जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने का सुझाव दिया है।

गहरी खाई में गिरा डंपर, दो लोगों की मौत

जयपुर (राजधानी चौपाल) ।उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में फाटा और बड़ासू के बीच तरसाली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई।देर रात एक डंपर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा।सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरी रात रेस्क्यू अभियान चलाया गया। गुरुवार देर रात जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को सूचना मिली थी कि फाटा और बड़ासू के मध्य तरसाली के पास वाहन डंपर गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।सूचना के बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और 108 एम्बुलेंस को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।डंपर में सवार दो लोगों की तलाश की गई।रेस्क्यू टीम ने संजय राणा, उम्र लगभग 45 वर्ष, का शव बरामद कर सड़क तक पहुंचाया।

यूपी समेत 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट, पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका

लखनऊ (राजधानी चौपाल)। देशभर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज देश के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी आगामी दिनों में छिटपुट बारिश के साथ आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है।

विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, गोवा, झारखंड, सिक्किम, असम, हिमाचल, उत्तराखंड, मेघालय, मणिपुर, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में बारिश होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और इससे सटे उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर बने सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अगले सात दिनों के दौरान वर्षा गतिविधियां बढ़ने वाली हैं। कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। इस सिस्टम के असर से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी बारिश बढ़ेगी। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी आगामी दिनों में छिटपुट बारिश के साथ आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है।

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश से नदियों में जल स्तर बढ़ सकता है और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका है। उत्तराखंड, हिमाचल और कश्मीर घाटी में लगातार बारिश से मौसम ठंडा रहेगा। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में उमस भरी गर्मी के बीच बीच-बीच में हल्की-मध्यम बारिश राहत दे सकती है।

सक्षिप्त समाचार

स्कूटी पर सवार थे 5 लोग, ट्रैक्टर से हुई भीषण टक्कर में परिवार के 4 लोगों की मौत

रायपुर (राजधानी चौपाल)| दुर्ग जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1 बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसा उस समय हुआ, जब स्कूटी पर सवार पांच लोग रायपुर में अपने मामा के घर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि 28 वर्षीय अमृता निर्मलकर स्कूटी चला रही थीं।इसी दौरान उनकी स्कूटी हाईवे पर ऑक्सीजन सिलेंडर लदे खड़े ट्रैक्टर के पीछे जा टकराई।हादसा इतना भीषण था कि अमृता निर्मलकर, उनकी 26 वर्षीय छोटी बहन लक्ष्मी निर्मलकर और दोनों की 4 और 7 साल की बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई।उसे इलाज के लिए रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सुपेला भेज दिया गया है।घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है।

सेंट जेवियर्स हाई स्कूल चैंपियनशिप 2026 की मेज़बानी करेगा

भोपाल।सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, गुप्तेश्वर को रयान गोल्डन जुबली इंटर-स्कूल फुटसल चैंपियनशिप 2026 की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है।यह चैंपियनशिप रयान ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के 50 वर्षों की उत्कृष्टता समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही है। इस चैंपियनशिप में जबलपुर के 16 प्रमुख स्कूल हिस्सा लेंगे, जिससे युवा फुटबॉलरों को अपनी प्रतिभा, अनुशासन, टीम वर्क और खेल भावना दिखाने का मंच मिलेगा।क्वार्टर फ़ाइनल भी 16 जुलाई 2026 को खेले जाएंगे, जबकि सेमी-फ़ाइनल और ग्रैंड फ़ाइनल 17 जुलाई 2026 को होंगे।यह टूर्नामेंट दो दिनों तक रोमांचक फुटसल एक्शन का वादा करता है, जिसमें योग्य रेफरी, मेडिकल सपोर्ट और खेल का उत्साहपूर्ण माहौल होगा।इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम वर्क, नेतृत्व और निष्पक्ष खेल (फेयर प्ले) की भावना को बढ़ावा देना है।सेंट जेवियर्स हाई स्कूल में, हमारा मानना है कि खेल आत्मविश्वास से भरे, अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यह चैंपियनशिप उत्कृष्टता, एकता और खेल की सच्ची भावना का उत्सव है।

उम्रकैद के दो दोषियों की शादी अब जेल के अंदर होगी

राजस्थान में पहली बार जेल में गूंजेंगी शहनाइयां

जयपुर (राजधानी चौपाल)। राजस्थान की जेल व्यवस्था में पहली बार ऐसा नजारा देखने को मिलेगा, जब किसी जेल परिसर में शहनाई बजेगी, सात फेरे होंगे और विवाह की रस्में पूरी की जाएंगी। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि राजस्थान हाईकोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद हकीकत बनने जा रहा है। 22 जुलाई को जोधपुर की मंडोर ओपन जेल में दो दोषसिद्ध कैदी विवाह बंधन में बंधेंगे। इसे राजस्थान की जेल सुधार व्यवस्था और कैदियों के पुनर्वास की दिशा में एक बड़ा और अनोखा कदम माना जा रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी मूलाराम भाटी और पैरोल पर बाहर चल रही दोषसिद्ध महिला सीमा को विवाह की अनुमति देते हुए कहा कि जेल का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटने का अवसर देना भी है।

खेती करते-करते हुई मुलाकात, फिर रिश्ते ने लिया जीवनभर के साथ का रूप जानकारी के अनुसार, नागौर जिले के अडसिंगा निवासी 33 वर्षीय मूलाराम भाटी वर्ष 2017 से न्यायिक अभिरक्षा में हैं। करीब दो साल पहले उन्हें अजमेर जेल से जोधपुर की मंडोर ओपन जेल में स्थानांतरित किया गया था। दूसरी ओर, मुंबई निवासी 31 वर्षीय सीमा को करीब डेढ़ साल पहले महिला जेल से मंडोर ओपन जेल भेजा गया। ओपन जेल के नियमों के तहत दोनों खेती और अन्य श्रम कार्यों में लगे हुए थे। इसी दौरान दोनों के बीच परिचय हुआ। धीरे-धीरे यह परिचय दोस्ती में और फिर जीवनसाथी बनने के फैसले तक पहुंच गया। हाल ही में

सीमा को 40 दिन की पैरोल मिली। इसी दौरान दोनों ने विवाह करने का निर्णय लिया और हाईकोर्ट में अनुमति के लिए याचिका दायर की। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब 22 जुलाई को मंडोर ओपन जेल परिसर में जेल प्रशासन की निगरानी में दोनों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। यह राजस्थान के इतिहास में पहली बार होगा, जब किसी ओपन जेल के भीतर विधिवत विवाह समारोह आयोजित होगा। शादी की एक और भावुक तस्वीर भी सामने आई है। सीमा के परिवार की ओर से उनकी सहेली के पिता कन्यादान करेंगे। विवाह निमंत्रण पत्र में भी पिता के स्थान पर उन्हीं का नाम दर्ज किया गया है। न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी और न्यायमूर्ति प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने अपने आदेश में वर्ष 2022 के 'नंदलाल बनाम राज्य' मामले का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। यह अधिकार केवल जेल की दीवारों के बाहर रहने वालों तक सीमित नहीं है। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि आधुनिक जेल व्यवस्था का उद्देश्य केवल सजा देना नहीं, बल्कि अपराधियों का सुधार, पुनर्वास और उन्हें समाज में सम्मानपूर्वक दोबारा स्थापित करना भी है। विवाह जैसे सामाजिक संस्थान कैदी के पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कालूराम भाटी और अधिवक्ता स्वप्न चौहान ने पक्ष रखा। वहीं राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक सी.एस. ओझा और श्रवण सिंह राठौड़ अदालत में उपस्थित रहे। राज्य सरकार ने विवाह की अनुमति पर कोई आपत्ति नहीं जताई, जिसके बाद हाईकोर्ट ने अनुमति प्रदान कर दी।

मंदिर दान चोरी: बैंक ने जानबूझकर नहीं करवाया एसओपी का पालन, अधिकारियों पर कसेगा शिकंजा

अयोध्या (राजधानी चौपाल)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में पुलिस का शिकंजा एसबीआई के अधिकारियों और कर्मचारियों पर कसता जा रहा है। वर्तमान और पूर्व अधिकारियों, कर्मचारियों के दर्ज कराए अलग-अलग बयानों में भिन्नता से शक की सुई गहरा गई है। मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच हुए एसओपी का अनुपालन कराना बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी थी, लेकिन जानबूझकर ऐसे हालात पैदा किए गए, जिससे कथित गणना कर्मियों का खेल निर्बाध चलता रहे। इसकी बड़ी वजह ये रही कि गणना कर्मियों में ट्रस्ट ही नहीं, बैंक अधिकारियों के भी खास कारिंदे शामिल थे। इन्हें मंदिर में दाखिल कराने के लिए बैंक प्रबंधन ने सैनिक सर्विसेज से इनकी सिफारिश तक की थी।

पुलिस अफसरों का कहना है कि चढ़ावे की चोरी में ट्रस्ट से कहीं ज्यादा बैंक प्रबंधन दोषी है। उनका कहना है कि बैंक सेवा प्रदाता एजेंसी थी, जिसका पूरा काम पेशेवर है। इस कार्य से बैंक की साख भी जुड़ी थी। फिर भी बैंक प्रबंधन एसओपी का अनुपालन कराने में पीछे रहा तो उसकी कोई मजबूरी नहीं बल्कि सीधे-सीधे लापरवाही है। बताया जा रहा है कि गणना कर्मियों के निर्धारित वस्त्र भी सिलवाने से परहेज किया गया। पुलिस फिलहाल बैंक कर्मियों पर हाथ डालने से पहले पुख्ता सबूत जुटा लेना चाहती है। माना जा रहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व न्यासी डॉ. अनिल मिश्र पर कोई आरोप तय होता है तो बैंक प्रबंधन भी उससे अछूता नहीं रहेगा। फिलहाल विवेचनाधिकारी/क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने अपने कार्यालय में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों को अलग-अलग बुलाकर उनका बयान दर्ज कराया है। यहां बैंक अधिकारी और कर्मचारी अपने विरोधाभासी बयानों में उलझ गए हैं। पुलिस रिमांड पर लिए गए गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव की चढ़ावा चोरी में सीधे तौर पर भूमिका सामने नहीं आई। सिंडिकेट बैंक से रिटायर्ड कर्मचारी सुभाष को लेकर पुलिस को बड़े सुराग भी हाथ नहीं लगे। हालांकि पुलिस टीम ने सुभाष के घर पर जाकर पूरी छानबीन की, लेकिन उन्हें कुछ खास नहीं मिला।

जयंत पाटिल की शिंदे से 45 मिनट मुलाकात

फडणवीस से मिलने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बढ़ीं अटकलें

मुंबई (राजधानी चौपाल) । मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से राकां शरदचंद्र पवार पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटिल की दो रोज पहले हुई मुलाकात पहले ही राज्य की राजनीति में चर्चा का विषय बनी हुई है। इसी बीच जयंत पाटिल गुरुवार को उप मुख्यमंत्री शिंदे से मिलने उनके सरकारी एकनाथ निवास नंदनवन पहुंच गए।

इन मुलाकातों ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई अटकलों को जन्म दे दिया है। राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार शिंदे और पाटिल के बीच करीब 45 मिनट से अधिक समय तक चर्चा हुई। इस दौरान राकां शरदचंद्र पवार पार्टी के वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड भी मौजूद थे।

हालांकि बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले जयंत पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की थी। उस समय वर्षा निवास पर अजीत पवार गुट के नेता सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल की मौजूदगी से भी राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई थीं। जयंत पाटिल ने दी थी सफाई मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद जयंत पाटिल ने स्पष्ट किया था कि वह इस्लामपुर नगर परिषद के नगराध्यक्ष की अयोग्यता से जुड़े मामले पर चर्चा करने गए थे। उन्होंने कहा था कि उनकी मुलाकात का सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल से कोई संबंध नहीं था तथा मुख्यमंत्री से केवल पांच मिनट की चर्चा हुई थी। अब एकनाथ शिंदे से उनकी नई मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में फिर से अटकलों का दौर शुरू कर दिया है।

भारी मशीनों से मालाएं पहनाने पर भी लगी रोक

तेलंगाना में दूधाभिषेक पर लगी रोक, तेलंगाना कांग्रेस ने दिया निर्देश, जेसीबी से माला पहनाने पर भी पाबंदी

हैदराबाद (राजधानी चौपाल)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) ने पार्टी कार्यक्रमों के दौरान नेताओं के दूध और जलाभिषेक पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही नेताओं को जेसीबी, बुलडोजर या अन्य भारी मशीनों की मदद से विशाल मालाएं पहनाने की प्रथा पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि किसी भी अवसर या स्थान पर आयोजित कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'पालाभिषेकम' (दूधाभिषेक) और 'जलाभिषेकम' नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां कांग्रेस की विचारधारा और सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने चेतावनी दी कि पार्टी के इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष टी. कुमार राव ने गुरुवार को इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया। इसमें बताया गया कि यह निर्णय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है।

परिपत्र में कहा गया है कि पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी इन निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य होगा। कांग्रेस ने अपने निर्देश में कहा है कि दूध और पानी से अभिषेक जैसी परंपराएं पार्टी की विचारधारा के पूरी तरह विपरीत हैं, क्योंकि इससे खाद्य पदार्थों की बर्बादी होती है। ऐसे समय में जब समाज का एक बड़ा वर्ग कुपोषण जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, इस तरह की गतिविधियां उचित नहीं हैं। पार्टी ने सुझाव दिया है कि कार्यकर्ता दूध या अन्य खाद्य सामग्री का उपयोग अभिषेक के बजाय जरूरतमंद लोगों में खाद्य सामग्री वितरित करने के लिए करें। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में वरिष्ठ नेताओं के राज्यभर के दौरों के दौरान कुछ कार्यकर्ता जेसीबी, बुलडोजर और अन्य भारी मशीनों की मदद से नेताओं को विशाल मालाएं पहनाते रहे हैं। पार्टी ने इस पर भी पूरी तरह रोक लगा दी है। परिपत्र में कहा गया है कि जेसीबी और बुलडोजर जैसे वाहन दमन के प्रतीक माने जाते हैं, इसलिए अब इनका उपयोग नेताओं को माला पहनाने के लिए नहीं किया जाएगा। ऐसा करने पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि तेलंगाना में विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता नेताओं की जयंती, महत्वपूर्ण घोषणाओं या अन्य विशेष अवसरों पर उनके चित्रों और प्रतिमाओं का दूध और पानी से अभिषेक करते हैं। वहीं, रैलियों और सार्वजनिक सभाओं में जेसीबी या बुलडोजर की मदद से नेताओं को बड़ी मालाएं पहनाने की परंपरा भी लंबे समय से चली आ रही है।

फोर्टिफाइड चावल घोटाला मामले में एसआइटी की दबिश, महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ के कई राइस मिल मालिक फरार

बादलपुर (राजधानी चौपाल) एथनॉल उत्पादन के नाम पर हुई फोर्टिफाइड चावल घोटाला मामले में एसआईटी छिंदवाड़ा के 12 वेयरहाउस मालिकों के बयान ले रही है।

एसआईटी की जांच की भनक लगते ही महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कई राइस मिल और गोदाम मालिक फरार हो गए हैं। जिनकी धरपकड़ के लिए एसआईटी का विशेष दल इन राज्यों में दबिश दे रहा है।

पूछताछ की अगली कड़ी में बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा के अलावा महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की मिलों व गोदाम संचालकों के नाम जुड़ सकते हैं। एवीजे एथनाल प्लांट प्रबंधन की कारगुजारी इन्हीं वेयरहाउस मालिकों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे दस्तावेज से सामने आने की बात कही जा रही है। एथनॉल प्लांट प्रबंधन ने वेयरहाउस में चावल के स्टाक को भंडारित करके रखा था। जांच के लिए प्रत्येक वेयरहाउस मालिक से तीन से चार रजिस्टर जब्त किए जा रहे हैं, जिसमें चावल के स्टाक का पूरा लेखा-जोखा है। अब तक 45 से अधिक रजिस्टर एसआइटी ने जब्त कर लिए हैं। मामले में आरोपितों की संख्या बढ़ सकती है। पूर्व सांसद ने कहा-कांग्रेस के विधायक चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे और वारासिवनी विधायक

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने अपनी ही विधायक पत्नी अनुभा मुंजारे सहित कांग्रेस और भाजपा नेताओं पर मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेसवार्ता में पूर्व सांसद मुंजारे ने कहा, चावल की हेराफेरी बड़ा घोटाला है। जिले में कांग्रेस के चार विधायक हैं, लेकिन सभी घोटाले पर चुप्पी साधे हुए विवेक विक्की पटेल औपचारिकता निभाने के लिए प्लांट का दौरा करके आ गए, जबकि विधानसभा में इस मुद्दे को नहीं उठाया। एथनॉल के नाम पर की जा रही गड़बड़ी का असर अब जबलपुर में दिखाई देने लगा है। जिले में 30 जून से धान मिलिंग पूरी तरह ठप है।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली । (राजधानी चौपाल)

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में कमी आई, जिससे निवेशकों का रुझान कुछ हद तक कमजोर होता दिखाई दिया। एमसीएक्स पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,109 रुपये तक टूट गया, जबकि चांदी के सितंबर अनुबंध में 1,263 रुपये की गिरावट आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अगस्त अनुबंध ने कारोबार की शुरुआत 1,109 रुपय की बड़ी गिरावट के साथ 1,41,148 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर की। इसका पिछला बंद भाव 1,42,257 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा था।

वहीं इसी प्रकार चांदी के सितंबर अनुबंध में भी कमजोर आई है। यह 1,263 रुपये की गिरावट के साथ 2,21,926 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,23,189 था। कारोबार के दौरान यह 729 की कमी के साथ 2,22,460 पर पहुंच गया। इस अवधि में चांदी ने 2,22,497 का उच्चतम और 2,21,064 का न्यूनतम स्तर छुआ। चांदी का इस साल का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया था।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,059.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव 4,069.70 डॉलर प्रति औंस से कम था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर हासिल किया था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 59.04 डॉलर प्रति औंस पर खुले, जबकि पिछला बंद भाव 59.10 डॉलर था। यह 0.34 डॉलर की गिरावट के साथ 58.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी का इस साल का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली, । (राजधानी चौपाल)

देश में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 12,73,811 इकाई रही। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया तनाव से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 10,11,884 इकाई रही। इससे पहले 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में रिकॉर्ड करीब 10.3 लाख इकाई की बिक्री दर्ज की गई थी। सियाम के मुताबिक पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 20.3 फीसदी बढ़कर 56,28,675 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 46,77,990 इकाई थी। संगठन ने कहा कि तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी पहली तिमाही में अब तक के उच्चतम स्तर 2,14,339 इकाई पर पहुंच गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 1,65,211 इकाई की तुलना में 29.7 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी सर्वाधिक 2.65 लाख इकाई रही, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 18.3 फीसदी ज्यादा है।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज बढ़कर 390 करोड़, पहली तिमाही में बिक्रि बुकिंग 25 प्रतिशत घटी

मुंबई ।(राजधानी चौपाल)

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अपने शुद्ध कर्ज में वृद्धि और बिक्री बुकिंग में गिरावट दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध कर्ज मार्च 2026 के अंत के 200 करोड़ से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 390 करोड़ हो गया है। इस अवधि में, कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 प्रतिशत घटकर 1,970 करोड़ रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,640 करोड़ रुपए थी।कंपनी ने बताया कि बिक्री बुकिंग में यह गिरावट मुख्य रूप से बिक्री की मात्रा में कमी के कारण हुई है। समीक्षाधीन तिमाही में सिग्नेचर ग्लोबल ने मात्र 226 इकाइयों की बिक्री की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह संख्या 778 थी। क्षेत्रफल के लिहाज से भी, कंपनी ने 7.2 लाख वर्ग फुट की बिक्री की, जो पिछले साल के 16.2 लाख वर्ग फुट से काफी कम है।हालांकि, कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति पर जोर देकर बताया कि 30 जून, 2026 तक उसके पास 2,522 करोड़ रुपए की नकदी और बैंक जमा थे। यह राशि भविष्य की वृद्धि और परिचालन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्त उपलब्ध कराती है। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 8,250 करोड़ रुपए की संपत्तियों की बिक्री की थी और बिक्री बुकिंग के आधार

पर सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों में पांचवें स्थान पर रही थी। अप्रैल में, कंपनी ने इटली के लाइफस्टाइल ब्रांड टोनिनो लैम्बॉर्गिनी के साथ गुरुग्राम में करीब 2,900 करोड़ रुपए के निवेश से एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी भी की है।

एसबीआई फंड आईपीओ दूसरे दिन 78 फीसदी सब्सक्राइब, 21 को हो सकती है लिस्टिंग?

नई दिल्ली, ।

एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई फंड मैनेजमेंट आईपीओ का बुधवार को दूसरा दिन है। सुबह 10ः04 बजे तक आईपीओ 78 फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक रिटेल निवेशकों का हिस्सा 72 फीसदी, पात्र खरीदार का हिस्सा 8 फीसदी और गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 161 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। अभी तक सबसे बोली एनआईआई ने लगाई है। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल करीब 15फीसदी चल रहा है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 545 रुपए से 574 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह 9,813 करोड़ रुपए का आईपीओ है, जिसे पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के जरिए लाया गया है। इसमें कंपनी के प्रमोटर भारतीय स्टेट बैंक और अम्यून्दी इंडिया होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। ओएफएस में 17.09 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री होगी। आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद होगा।

टेक महिंद्रा के नतीजों पर बाजार की नजर- मुनाफे में 40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की उम्मीद

आज होगा ऐलान

मुंबई, । (राजधानी चौपाल)

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टेक महिंद्रा वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे 16 जुलाई को जारी करेगी। बाजार विश्लेषकों और ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि कंपनी तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है, जिसमें मुनाफे (पीटीए) में 40 प्रतिशत से अधिक की सालाना बढ़ोतरी और राजस्व में दोहरे अंकों की वृद्धि प्रमुख है। इन नतीजों पर निवेशकों और बाजार की गहरी नजर, खासकर जब इसी दिन आईटी क्षेत्र की एक और प्रमुख कंपनी विप्रो भी अपने आंकड़े जारी करेगी।हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आईटी सेक्टर के लिए मौजूदा कारोबारी माहौल पूरी तरह से अनुकूल नहीं है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव और बड़े सौदों (डील्स) को अंतिम रूप देने में होने वाली देरी जैसी चुनौतियां अभी भी उद्योग पर संकट पैदा कर रही हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि टेक महिंद्रा को बड़े डील्स से महत्वपूर्ण ग्रोथ मिलेगी। फर्म के अनुसार, कंपनी के सीईओ मोहित जोशी के नेतृत्व में परिचालन दक्षता में सुधार देखा गया है।

अमेरिकी महंगाई घटने के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे आया

फेड ने कहा- अगला फैसला आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा

नई दिल्ली, । (राजधानी चौपाल)

अमेरिका में डॉलर इंडेक्स दूसरे दिन भी कमजोर रहा और 101 के स्तर से नीचे फिसल गया। जून में महंगाई के नरम पड़ने से निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व फिलहाल ब्याज दरों में जल्दबाजी नहीं करेगा। हालांकि फेड ने साफ कर दिया है कि उसका अगला फैसला केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा, किसी राजनीतिक दबाव के आधार पर नहीं। अमेरिका में जून 2026 में सालाना महंगाई दर घटकर 3.5 फीसदी रह गई, जबकि मई में यह 4.2 फीसदी थी। यह आंकड़ा बाजार के 3.8 फीसदी के अनुमान से भी बेहतर रहा।वहीं मासिक आधार पर उपभोक्ता कीमतों में 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। साल 2020 के बाद यह पहला मौका है जब एक महीने में उपभोक्ता कीमतों में गिरावट आई है। महंगाई के नरम आंकड़ों के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे चल गया। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान कहा कि केंद्रीय बैंक का काम महंगाई को नियंत्रित करना और कीमतों में स्थिरता बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि फेड अपने फैसले केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर लेगा और किसी तरह के राजनीतिक दबाव में काम नहीं करेगा। वार्श ने कहा कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उन पर दबाव डालते हैं तो भी वह अपना काम करते रहेंगे। उन्होंने दोहराया कि फेड की स्वतंत्रता सर्वोच्च है और उसकी विश्वसनीयता इस पर टिकी है।सुनवाई में चेयरमैन से पूछा कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ब्याज दरें घटाने के लिए दबाव बनाते हैं तो वह क्या करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि फेड के बाहर राजनीति हो सकती है, लेकिन केंद्रीय बैंक के अंदर राजनीति की कोई जगह नहीं है। उनका लक्ष्य महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक वापस लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल एक महीने के महंगाई के आंकड़ों को देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि महंगाई की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। फेड चेयर ने संकेत दिया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी महंगाई को फिर बढ़ा सकती है। ऐसे में फेड आगे भी हर आर्थिक आंकड़े पर नजर रखेगा और उसी के आधार पर ब्याज दरों पर फैसला करेगा।महंगाई के ताजा आंकड़ों के बाद बाजार को अब जुलाई की 28 से 29 जुलाई की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना काफी कम नजर आ रही है। निवेशकों के मुताबिक जुलाई में दरें बढ़ने की संभावना करीब 12 फीसदी है, जो पहले करीब 42 फीसदी थी। हालांकि सितंबर की 15 से 16 सितंबर की बैठक को लेकर तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं है। बाजार फिलहाल करीब 53 फीसदी संभावना मान रहा है कि फेड सितंबर में ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी टैरिफ में भारी कटौतीः भारत को बड़ी राहत

500 प्रतिशत को घटाकर 100 प्रतिशत किया

वाशिंगटन, । (राजधानी चौपाल)

अमेरिका की सीनेट ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर लगाने वाले प्रतिबंधों से संबंधित महत्वपूर्ण बिल में बड़ा बदलाव किया है, जिससे भारत सहित कई देशों को राहत मिली है। पहले प्रस्तावित अधिकतम 500 प्रतिशत टैरिफ को अब घटाकर 100 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही, यह टैरिफ सभी देशों पर नहीं, बल्कि केवल रूस के पांच सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस खरीदारों पर ही लागू होगा, जिसमें भारत भी शामिल है। यह निर्णय रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े सैंक्शनिंग रशिया एक्ट के संशोधित संस्करण के तहत हुआ है।इस बिल को पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, जिसमें रूस से तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों की खरीद पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था। संशोधित बिल में टैरिफ दर में भारी कमी और इसके दायरे को सीमित करना सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है। अब यह टैरिफ केवल चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे देशों पर ही लागू होगा, जो रूस के पांच सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार हैं। वॉशिंगटन में सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि इसकी अधिकतम दर 100 प्रतिशत होगी, और विशेष परिस्थितियों में सीमित छूट का प्रावधान भी होगा।

इस बिल को रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने आगे बढ़ाया था। ग्राहम ने यूक्रेन दौरे के दौरान कहा था कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बिल को आगे बढ़ाने पर सहमति बना ली थी, जो एक साल से अधिक समय की बातचीत के बाद बनी थी। सीनेट के सहयोगियों के अनुसार, बिल को पहले ही 26 सीनेटरों का समर्थन मिल चुका है और आने वाले दिनों में और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है।संशोधित बिल में उन देशों के लिए भी छूट का प्रावधान है, जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं और रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं। सीनेट के सहयोगियों के मुताबिक, इस छूट का फायदा जापान, फ्रांस, हंगरी और बेल्जियम जैसे देशों को मिल सकता है।

16-17 जुलाई को उत्तराखंड-मेघायल में बंद रहेंगे बैंक, अन्य जगह होगा कामकाज

नई दिल्ली, ।(राजधानी चौपाल)

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक अवकाश कैलेंडर के मुताबिक 16-17 जुलाई को पूरे देश में बैंक बंद नहीं रहेंगे, बल्कि क्षेत्रीय त्योहारों और स्थानीय अवसरों के कारण केवल कुछ राज्यों में ही बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। आरबीआई के मुताबिक 16 जुलाई गुरुवार को उत्तराखंड में लोक पर्व हरेला तथा मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के अवसर पर सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इन दोनों राज्यों के अलावा देश के अन्य सभी हिस्सों में बैंक सामान्य रूप से खुलेंगे और नियमित कामकाज होगा।

17 जुलाई शुक्रवार को केवल मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के उपलक्ष्य में बैंक अवकाश रहेगा। इस तरह मेघालय में लगातार दो दिन 16-17 जुलाई को बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। वहीं उत्तराखंड सहित देश के अन्य राज्यों में शुक्रवार को बैंक सामान्य रूप से कार्य करेंगे। हालांकि बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। यूपीआई के जरिए गूगल पे, फोनपे, पेटीएम और अन्य डिजिटल भुगतान सेवाएं पहले की तरह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक ग्राहक एटीएम के जरिए नकदी निकाल सकेंगे और जहां कैश डिपॉजिट मशीन उपलब्ध हैं, वहां नकदी जमा करने की सुविधा भी जारी रहेगी। हालांकि चेक जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनवाना, केवाईसी अपडेट कराना, लॉकर संचालन या अन्य शाखा आधारित कार्य अवकाश वाले राज्यों में संभव नहीं होंगे। ऐसे में जिन ग्राहकों को बैंक शाखा में जाकर जरूरी काम करना है, उन्हें स्थानीय अवकाश को ध्यान में रखते हुए पहले से कर लें।

बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करेंः आरबीआई

नई दिल्ली, ।(राजधानी चौपाल)

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों के निदेशक मंडलों की बैठकों के लिए मुद्दे तय करने के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए ताकि बोर्ड अपने समय का ज्यादा कारगर तरीके से इस्तेमाल कर पाएं। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत बोर्डों को साफतौर पर बताना होगा कि उन्होंने कौन से मसले मंजूरी के लिए रखे हैं और उन्हें अपने अधिकारों की समय-समय पर समीक्षा भी करनी होगी। संशोधित व्यवस्था 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगी।

संशोधित नियमों के मुताबिक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन, नीति तथा रणनीति, संबंधित इकाइयों को कर्ज या उनमें निवेश पर नजर रखनी होगी और यह भी तय करना होगा कि कॉरपोरेट प्रशासन का पूरा ध्यान रखा जाए। रिजर्व बैंक के संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 'बैठक का एजेंडा तय करने की मूल जिम्मेदारी बोर्ड के चेयरपर्सन की होगी। बैंकिंग नियामक ने कहा कि बैंक की कारोबारी रणनीति, वित्तीय सेहत, प्रशासन के ढांचे, कर्मियों से जुड़े प्रमुख फैसलों, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन की आखिरी जिम्मेदारी बोर्ड की ही होगी। बोर्ड को स्पष्ट करना होगा कि उसे प्रबंधन से किस तरह की जानकारी चाहिए और कितने अंतराल पर चाहिए। रिजर्व बैंक ने प्रस्ताव रखा है, जरूरत पड़ने पर बोर्ड बाहर से रिपोर्ट मंगा सकता है।

बोर्ड खास मामले बोर्ड समितियों या प्रबंधन समितियों को सौंप सकता है बशर्ते उन्हें साफ तौर पर बताया जाए कि क्या जानकारी देनी है।

क्यूबा में फिर गहराया बिजली संकट, ब्लैकआउट से करीब 90 लाख लोग प्रभावित

पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं

(राजधानी चौपाल)

क्यूबा एक बार फिर बिजली संकट गहरा गया है। मंगलवार को देश की राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई, जिसके चलते पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह तीसरी बार है जब पूरे देश में ब्लैकआउट की स्थिति बन गई। बिजली संकट ने पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। क्यूबा की सरकारी बिजली कंपनी के मुताबिक पूर्वी प्रांत होलगुइन स्थित एक बिजली उत्पादन इकाई में तकनीकी खराबी आने से ग्रिड की फ्रीक्वेंसी अचानक बदल गई। इसके कारण राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई और पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्लैकआउट के बाद ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय और इलेक्ट्रिक यूनियन ने बिजली बहाल करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी। इसके तहत छोटे-छोटे बिजली नेटवर्क तैयार कर उन्हें आपस में जोड़कर अस्पतालों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर बिजली दी जा रही है। राजधानी हवाना के कुछ इलाकों में दोपहर बाद बिजली बहाल कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक शहर के करीब 4 फीसदी हिस्से में बिजली आपूर्ति शुरू हो चुकी है। वहीं ग्वांतानामो, सिएनफुएगोस और मातांजास जैसे प्रांतों में भी अस्पतालों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में बिजली बहाल होने लगी है।यह पहली बार नहीं है जब क्यूबा को इस तरह के संकट का सामना करना पड़ा है। पिछले सप्ताह भी देशभर में बड़े पैमाने पर ब्लैकआउट हुआ था, जिससे करीब 90 लाख लोग प्रभावित हुए थे। इससे पहले मार्च में भी दो बार राष्ट्रीय स्तर पर बिजली व्यवस्था ठप हो चुकी है, जबकि कई क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर बिजली कटौती की घटनाएं सामने आई थीं।

क्यूबा लंबे समय से ईंधन की कमी से जूझ रहा है। देश अपनी जरूरत का केवल करीब 40 फीसदी ईंधन ही खुद तैयार कर पाता है।, जबकि बाकी के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इस साल जनवरी से ईंधन संकट और गहरा गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों पर टैरिफ लगाने की चेतावनी दी जो क्यूबा को तेल बेचते या उपलब्ध कराते हैं।

भारत-यूके सीईटीए लागू, कपड़ा, चमड़े, आभूषण समेत कई क्षेत्रों के निर्यात के अवसर बढ़ेंगे

कई प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू होगी

(राजधानी चौपाल)

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इससे देश में कपड़ा, चमड़े, आभूषण एवं रत्न, समुद्री उत्पादों, केमिकल और अन्य क्षेत्रों से जुड़े निर्यातकों के लिए यूके का बाजार खुला गया और उन्हें अब पहले के मुकाबले निर्यात के ज्यादा अवसर मिलेंगे। भारत-यूके सीईटीए के लागू होने को लेकर एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ यह समझौता, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है। इससे देश के करीब 99 फीसदी निर्यात को यूके में जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जो कि भारत की 100 फीसदी ट्रेड वैल्यू को कवर करता है। मीडिया रिपोर्ट में केंद्रीय मंत्री के मुताबिक इस व्यापार समझौते से कपड़ा, चमड़े, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग का सामान, समुद्री उत्पाद, केमिकल, प्रोसेस्ड फूड के साथ-साथ एमएसएमई, किसानों और अन्य मैन्युफैक्चरर्स को निर्यात के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के आईटी, प्रोफेशनल, फाइनेंशियल, एजुकेशन और बिजनेस सर्विस सेक्टरों के लिए भी नए रास्ते खोलेगा और साथ ही भारतीय टैलेंट के लिए आवाजाही के मौके भी बढ़ाता है।सोशल सिक्योरिटी समझौते का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि इससे यूके में अस्थायी काम पर गए भारतीय पेशेवरों को पांच साल तक दोहरी सोशल सिक्योरिटी का योगदान देने से छूट मिलती है, जिससे देश के वर्कफोर्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है।

इसके अलावा गोयल ने समझौते को अंतिम रूप देने में अपनी भूमिका के लिए यूके के अपने समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की बातचीत करने वाली टीमों का धन्यवाद किया।

वही कीमत, कम वजनः श्रिंकफ्लेशन से महंगाई की नई चाल

मुंबई, । (राजधानी चौपाल)

महंगाई का असर अब केवल बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं रहा है। बाजार में एक नई प्रवृत्ति तेजी से देखने को मिल रही है, इस अर्थशास्त्र की भाषा में श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है। इसमें कंपनियां उत्पाद की कीमत पहले जैसी ही रखती हैं, लेकिन उसकी मात्रा या वजन कम करती हैं। नतीजतन, उपभोक्ता को पहली नजर में कीमत में कोई बदलाव नहीं दिखता, जबकि प्रति ग्राम या प्रति किलो के हिसाब से अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। यह छिपी हुई महंगाई उपभोक्ताओं की जेब पर भारी पड़ रही है।

दिल्ली-एनसीआर के बाजारों, सुपरमार्केट और मॉल्स में कई इसतरह के उत्पाद मिल रहे हैं, जिनकी पैकेजिंग पहले जैसी दिखती है लेकिन उनका वजन घट चुका है। पहले जहां 1 किलो के पैक उपलब्ध होते थे, वहीं अब 950 ग्राम, 900 ग्राम या 850 ग्राम के पैक बाजार में बिक रहे हैं। इसी तरह 500 ग्राम की जगह 450 ग्राम और 200 ग्राम की जगह 180 या 170 ग्राम के पैक भी आम हो गए हैं। इसका सबसे अधिक असर रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले बिस्कुट, नमकीन, चिप्स, चॉकलेट, इंस्टेंट नूडल्स, चाय, कॉफी, मसाले, डिटर्जेंट, साबुन, शैंपू, खाद्य तेल और आटे जैसे उत्पादों पर दिखाई दे रहा है।

दुकानदारों का कहना है कि कंपनियां कीमत बढ़ाने से बचने के लिए तरीका अपना रही हैं। यदि किसी उत्पाद की कीमत सीधे बढ़ाई जाए, तब ग्राहक तुरंत प्रतिक्रिया देता है, लेकिन उसी कीमत पर वजन कम होने पर अधिकांश लोग ध्यान नहीं देते। वहीं, उपभोक्ता संगठनों का मानना है कि यह कानूनी रूप से गलत नहीं है, क्योंकि कंपनियां पैकेट पर वास्तविक वजन स्पष्ट रूप से लिखती हैं।

ज्यादा देर सोने से घेर सकती हैं मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगे। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी स्टडी की मानें तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्टडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

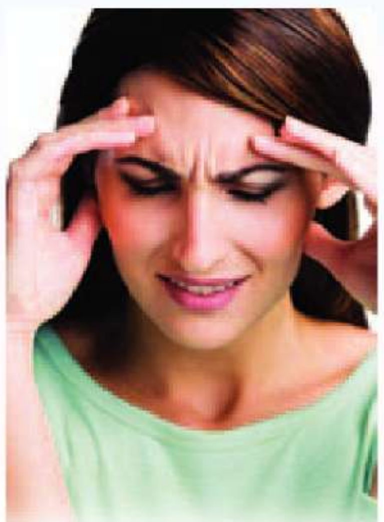

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है।

नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

किस तरह के बर्तन में भोजन करते हैं आप, सेहतमंद रहने के लिए जानना बेहद जरूरी

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं, अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि तांबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनो के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

- चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है।
- अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं।
- चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

- वजन घटाने में
- बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में
- हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- हृदय रोग से बचाने में
- ब्लड प्रेशर को संतुलित करें
- स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
- जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

यााददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं पौधों पर आधारित आहार

पौधों पर आधारित आहार स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इनमें पशु कल्याण शामिल है। जो लोग इस आहार का पालन करते हैं, वे अक्सर पर्याप्त प्रोटीन प्राप्त करने की चिंता करते हैं, खासकर क्योंकि कई प्रकार के मांस और डेयरी उत्पाद हैं जो प्रोटीन में उच्च होते हैं। दाल, बादाम, और बाजरा सभी पौधों के प्रोटीन में उच्च होते हैं और स्वस्थ, संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से खाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बादाम न केवल पोषण में उच्च होते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में एक अनूठी बनावट भी जोड़ते हैं, चाहे वह मीठा हो या नमकीन। वे पौधे आधारित प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं और बादाम दूध, बादाम का आटा, कच्चा, भुना हुआ, हल्का नमकीन, आदि सहित विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है।

यह एक मिथक है कि पौधे आधारित आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। और विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 से अधिक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। मैं लंबे समय में विश्वास करता हूं, संतुलित आहार खाना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और मैं हमेशा स्वस्थ पौधे-आधारित प्रोटीन शामिल करता हूं जैसे कि बादाम, छोले और टोफू को अपने भोजन में अधिक पौष्टिक और स्वस्थ बनाने के लिए।

न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णा ने कहा, प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन और एंजाइम के निर्माण के लिए और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक है। एक बार पौधे आधारित आहार का पालन करने का निर्णय लेने के बाद अपने आहार की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वपूर्ण है। फिटनेस एक्सपर्ट और सेलिब्रिटी मास्टर इंस्ट्रक्टर, यास्मीन ने खाने के पैटर्न और पौधों पर आधारित जीवन शैली में बदलाव पर जोर देते हुए कहा, एक फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में, मेरे पास लोग लगातार मुझसे एक आहार या किसी अन्य पर पूछताछ कर रहे हैं। रुझान आते हैं और जाते हैं, कुंजी संतुलित भोजन खाने और नियमित कसरत दिनचर्या का पालन करने के लिए है।

हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत अनुवांशिक कारको के वजह से भी हो सकती है। लेकिन यह अक्सर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का परिणाम होता है। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। दवाईयों बजाय आप इसे कुछ प्राकृतिक चीजों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ है। स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण के लिए आपके शरीर को कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

कैसे पता करें बढ़ रहा है कोलेस्ट्रॉल

रक्त में कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन यह उन स्थितियों के लिए आपके जोखिम को बढ़ा सकता है जिनमें लक्षण होते हैं, जैसे- एनजाइना (हृदय रोग के कारण सीने में दर्द), उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि।

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

एक स्टडी के अनुसार, कुछ जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम कर सकता है, जैसे उच्च रक्तचाप और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर। एक्सपर्ट बताते हैं कि अन्य मसालों के साथ बड़ी मात्रा में धनिया का सेवन करने वाली आबादी में हृदय रोग की दर कम होती है।

हरे धनिया के औषधीय गुण

इसमें एंटी-माइक्रोबियल व एंटीऑक्सीडेंट समेत एंटी इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला), एंटी-डिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला), न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) और मूत्रवर्धक जैसे गुण होते हैं। साथ ही, यह मधुमेह, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों की सफाई करने का काम भी करते हैं।

कैसे करें धनिया का सेवन

एक अध्ययन के दौरान चूहों को धनिये के बीज दिए गए जिसे खाने के बाद। खून में जमा एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में कमी और एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई को देखा गया। ऐसे में कहा जा सकता है कि धनिया को अपने खाने में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोग अक्सर धनिया के पत्तों का सेवन शरबत, चटनी, सलाद के रूप में करते हैं। वहीं, इसके बीजों को भी आप पानी में फूलाकर और छानकर पी सकते हैं।

धनिया का सेवन करते समय रखें इस बात का ध्यान

धनिया को नियमित पर थोड़े मात्रा में खाएं। एक स्टडी के अनुसार ज्यादा धनिया खाने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यह लीवर, एलर्जी, दाने, खुजली से लेकर त्वचा कैंसर तक का खतरा बढ़ा सकती है। इसेक अलावा धनिया ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करती है जिससे निम्न ब्लड प्रेशर को लोगों को परेशानी हो सकती है।

गुप्त नवरात्र... उज्जैन के शक्तिपीठ मां हरसिद्धि के दरबार में होगी गुप्त साधना

पंचांग की गणना के अनुसार बुध पुष्य नक्षत्र की साक्षी में आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्र का आरंभ हो गया है। तंत्र की उर्वरा भूमि कही जाने वाली धर्मधानी उज्जैन में नौ दिन साधक तंत्र, मंत्र व यंत्र की सिद्धि के लिए गुप्त साधना करेंगे। शक्तिपीठ हरसिद्धि, गढ़कालिका, बगलामुखी धाम में नौ दिन देवी का अभिषेक, पूजन तथा विशेष श्रृंगार किया जाएगा। देश में सुख समृद्धि तथा मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए गुप्त साधना भी होगी। नवरात्र के नौ दिन में वैदिक तंत्र, मंत्र तथा यंत्र की सिद्धि के लिए इस दिन से आदि शक्ति मां दुर्गा की साधना, आराधना शुरु करना सर्वश्रेष्ठ रहेगा। 23 जुलाई को महानवमी पर महापर्व की पूर्णाहुति होगी।

दो सर्वार्थ सिद्धि योग और तीन रवि योग

गुप्त नवरात्र में दो सर्वार्थ सिद्धि योग और तीन रवि योग का संयोग रहेगा। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार इन योगों में विशेष कार्य संपादित किए जाते हैं। इस प्रकार के योग में बैंकिंग, टेक्नोलाजी आदि से जुड़े कार्यों की शुरुआत भी की जा सकती है। विशिष्ट साधना के लिए योगों का बड़ा महत्व बताया जाता है।

नौ दिन नित्य सवा लाख आहुति दी जाएगी

बड़नगर रोड दंडी स्वामी आश्रम के सामने स्थित मां पीतांबरा पीठ बगलामुखी मंदिर में बुधवार सुबह पुष्य नक्षत्र की साक्षी में घट स्थापना की जाएगी। आश्रम पीठाधीश्वर पीतांबर साधक संत विजयानंदपुरी महाराज ने बताया गुप्त नवरात्र में नौ दिन देश, प्रदेश व शहर की सुख समृद्धि के लिए श्री बगलामुखी महायज्ञ का आयोजन होगा। मां पीतांबरा की प्रसन्नता के लिए प्रतिदिन सवा लाख आहुति दी जाएगी। भक्त भी मनोवांछित फल की प्राप्त के लिए यज्ञ में शामिल हो सकते हैं।

गढ़कालिका की कुमकुम अर्चना होगी

शहर के प्राचीन देवी मंदिरों में शुमार व धर्मशास्त्रों में सिद्ध व शक्तिपीठ माने जाने वाले गढ़कालिका माता मंदिर में गुप्त नवरात्र के दौरान माता गढ़कालिका की विशेष आराधना होगी। महंत करिश्मानाथ ने बताया नौ दिन देवी का अभिषेक पूजन कर नितनया श्रृंगार किया जाएगा। मान्यता है माता गढ़कालिका कुमकुम अर्चना से प्रसन्न होती हैं, इसी मान्यता के चलते भक्त देवी आराधना करने मंदिर पहुंचेंगे। बता दें श्री गढ़कालिका माता मंदिर में कुमकुम पूजा के लिए 250 रुपये की शासकीय रसीद कटवाना अनिवार्य है। मंदिर परिसर स्थित प्रबंध समिति के कार्यालय में रसीद कटवाने की सुविधा उपलब्ध है।

आंखों में पट्टी बांधकर होती है भगवान जगन्नाथ की स्थापना

मूर्ति के लिए लकड़ी चुनने के नियम भी खास

ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर भारत के सबसे पवित्र तीर्थों में से एक है। हर साल निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। वर्ष 2026 में रथ यात्रा 16 जुलाई से आरंभ हो गई है। । भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथ यात्रा को देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं। जगन्नाथ मंदिर सिर्फ अपनी आस्था के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं और रहस्यमयी मान्यताओं के कारण भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। हालांकि, इनमें से कई बातें धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं, जिनकी वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है।

मूर्ति के भीतर 'ब्रह्म पदार्थ' की मान्यता

जगन्नाथ मंदिर में जब नवकलेवर (मूर्तियों का परिवर्तन) होता है, तब पुरानी मूर्तियों से एक अत्यंत गोपनीय 'ब्रह्म पदार्थ' नई मूर्तियों में स्थापित किया जाता है। मंदिर की परंपरा के अनुसार, यही भगवान का दिव्य तत्व माना जाता है। कई श्रद्धालु इसे भगवान श्रीकृष्ण के हृदय से जोड़कर देखते हैं। हालांकि, मंदिर प्रशासन और सेवायत इसकी वास्तविक प्रकृति सार्वजनिक नहीं करते।

आंखों पर पट्टी बांधकर होती है ब्रह्म पदार्थ की स्थापना

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ब्रह्म पदार्थ को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया अत्यंत गोपनीय होती है। कहा जाता है कि इस दौरान पुजारियों की आंखों पर पट्टी बांधी जाती है और वे दस्ताने पहनकर यह प्रक्रिया पूरी करते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है।

अधूरी क्यों हैं भगवान जगन्नाथ की मूर्तियां?

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों से अलग दिखाई देती हैं। इनमें पूर्ण हाथ-पैर नहीं बने हैं। लोक कथाओं के अनुसार, देव शिल्पी विश्वकर्मा बंद कमरे में मूर्तियां बना रहे थे। लेकिन तय समय से पहले दरवाजा खोल दिए जाने पर उन्होंने मूर्तियां अधूरी छोड़ दीं। इसके बाद इन्हीं मूर्तियों की पूजा शुरू हो गई।

विशेष नीम के पेड़ से बनती हैं मूर्तियां

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की नई मूर्तियां सामान्य लकड़ी से नहीं, बल्कि विशेष नीम के पेड़ों (दारु) से बनाई जाती हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार, इन पेड़ों को चुनने के लिए कई विशेष नियम निर्धारित हैं।

नीम के पेड़ चुनने के नियम

मूर्तियों के लिए चुने जाने वाले पेड़ में कई विशेषताएं होना जरूरी माना जाता है। मान्यता के अनुसार-

- पेड़ में चार मुख्य शाखाएं हों।
- पास में श्मशान हो।
- चींटियों की बांबी मौजूद हो।
- आसपास जलाशय या तालाब हो।
- जड़ के पास सांप का बिल हो।
- आसपास बेल, वरुण और सहादा के पेड़ हों।
- इन सभी मानदंडों पर खरा उतरने वाले पेड़ को ही मूर्ति निर्माण के लिए चुना जाता है।

हर साल नहीं बदलती हैं मूर्तियां

जगन्नाथ मंदिर की मूर्तियां हर वर्ष नहीं बदली जातीं। इनका परिवर्तन केवल नवकलेवर के दौरान होता है, जब हिंदू पंचांग में आषाढ़ मास के साथ अधिकमास (मलमास) पड़ता है। यह संयोग लगभग 8 से 19 वर्षों के अंतराल पर आता है।

नमी के बावजूद वर्षों तक सुरक्षित रहती हैं मूर्तियां

पुरी समुद्र तट के पास स्थित है, जहां वातावरण में नमी अधिक रहती है। इसके बावजूद मंदिर की लकड़ी की मूर्तियां वर्षों तक सुरक्षित रहती हैं। श्रद्धालु इसे भगवान की कृपा मानते हैं, जबकि विशेषज्ञ इसे विशेष नीम की लकड़ी और पारंपरिक संरक्षण विधियों से जोड़कर देखते हैं।

छेरा पहरा की अनोखी परंपरा

रथ यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण रस्मों में से एक छेरा पहरा है। इस परंपरा के तहत पुरी के गजपति महाराज स्वयं सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं और उन पर सुगंधित जल व चंदन का छिड़काव करते हैं। यह परंपरा इस बात का प्रतीक मानी जाती है कि भगवान जगन्नाथ के सामने राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं तथा हर कोई स्वयं को भगवान का सेवक मानता है।

घर पर ही करें जगन्नाथजी की पूजा, विधि और मंत्र

आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आरंभ हो जाता है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ के साथ उनकी बहन सुभद्रा और उनके बड़े भाई बलराम भी रथ पर सवार होकर पुरी धाम से निकलकर अपनी मौसा के घर गुंडीचा मंदिर जाते हैं। यहां कुछ दिन ठहरने के बाद वापस अपने स्थान लौटते हैं। आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आरंभ हो गई है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होते हैं और रथ को खिंचते हैं तो उन्हें 100 यज्ञ के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। अगर आप रथ यात्रा में शामिल नहीं हो पा रहे हैं तो आप घर पर ही भगवान जगन्नाथ के मंत्रों का जप कर सकते हैं। जानें भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए मंत्र और स्रोत।

जगन्नाथ भगवान की पूजा घर पर कैसे करें

- सबसे पहले पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और गंगाजल से उसे शुद्ध कर दें। इसके बाद भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा स्थापित करें।
- इसके बाद घी का दीपक जलाएं और धूर प्रजव्वलित करें।
- अब भगवान को चंदन रोली, अक्षत, पुष्प और तुलसी दल अर्पित करें।
- इसके बाद भगवान जगन्नाथ के मंत्र और स्तोत्र का जप करें।
- इसके बाद भगवान को मालपुआ, फल और बिना प्याज लहसून से बने चीजों का भोग लगाएं।
- अंत में भगवान जगन्नाथ की आरती करें।

जगन्नाथ गायत्री मंत्र

ओम जगन्नाथाय विद्महे। महाबलाय धीमहि।
तन्नो विष्णु: प्रचोदयात॥

भगवान जगन्नाथ का मूल मंत्र

ओम श्री जगन्नाथाय नम:॥

जगन्नाथ स्तोत्र

तस्मात्तेनैव मन्त्रेण भक्त्या कृष्णं जगद्गुरुम।
सम्पूज्य गन्धपूष्पाद्यै: प्रणिपत्य प्रसादयेत् ॥
जय कृष्ण जगन्नाथ जय सर्वाघनाशन।
जय चाणूरकेशिघ्न जय कंसनिषूदन ॥
जय पद्मपलाशाक्ष जय चक्रगदाधर।
जय नीलाम्बुदश्याम जय सर्वसुखप्रद ॥
जय देव जगत्पूज्य जय संसारनाशन।
जय लोकपते नाथ जय वाञ्छाफलप्रद ॥
संसारसागरे घोरे नि:सारे दु:खफेनिले।
अहं सुरश्रेष्ठ त्राहि मां पुरषोत्तम ॥
नानारोगोर्मिऽकलिले मोहावर्तसुदुस्तरे।
निमग्नोऽहं सुरश्रेष्ठ त्राहि मां पुरुषोत्तम ॥

जगन्नाथ रथ यात्रा : दुनिया के सबसे बड़े रथ उत्सव से जुड़ी परंपराएं और मान्यताएं

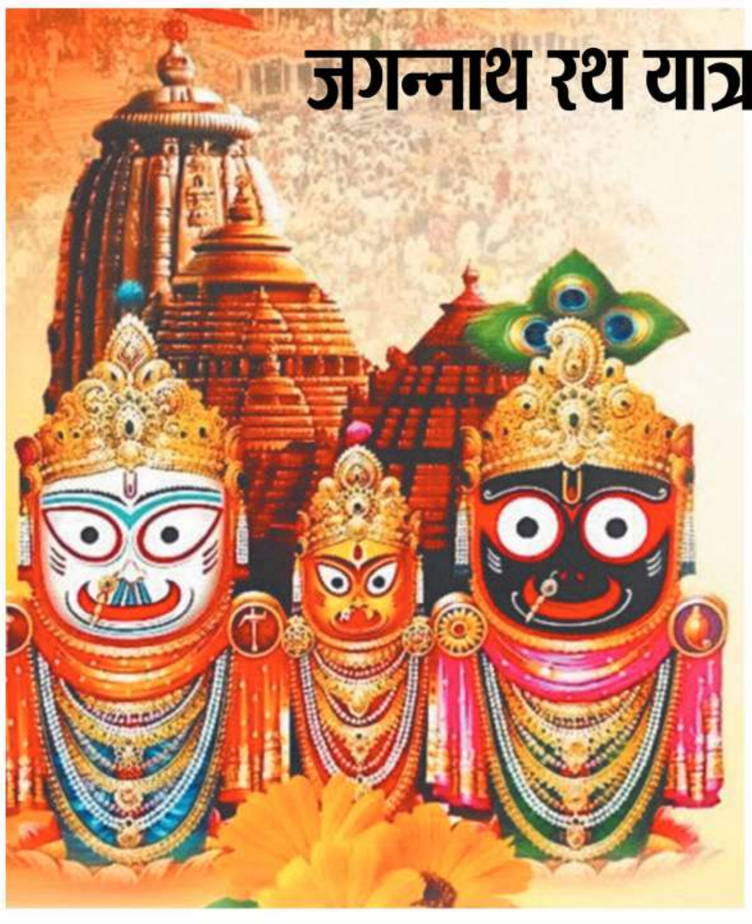

ओडिशा के पुरी में आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा दुनिया के सबसे बड़े रथ उत्सवों में गिनी जाती है। हर साल लाखों श्रद्धालु इस भव्य आयोजन के लिए पुरी पहुंचते हैं। भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा विशाल रथों पर सवार होकर श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक जाते हैं। इस यात्रा से जुड़ी कई ऐसी परंपराएं और मान्यताएं हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

साल में सिर्फ एक बार मंदिर से बाहर आते हैं भगवान

रथ यात्रा ही वह अवसर होता है जब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। इसी दौरान लाखों श्रद्धालु बेहद करीब से भगवान के दर्शन कर पाते हैं।

हर साल नए रथ बनाए जाते हैं

पुरी की रथ यात्रा की सबसे खास बात यह है कि तीनों रथ हर साल नए बनाए जाते हैं। इनका निर्माण विशेष प्रकार की लकड़ी और सदियों पुरानी पारंपरिक तकनीकों से किया जाता है।

रथ बनाने में नहीं होती लोहे की कीलों का इस्तेमाल

रथों के कई हिस्से पारंपरिक लकड़ी की जोड़ाई तकनीक से तैयार किए जाते हैं। इसके निर्माण में आधुनिक तकनीकों के बजाय पारंपरिक शिल्पकला को प्राथमिकता दी जाती है।

भगवान जाते हैं गुंडिचा मंदिर

रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुंडिचा मंदिर पहुंचते हैं। मान्यता है कि यह भगवान की मौसी का घर है। तीनों देवता यहां नौ दिन तक विश्राम करते हैं और फिर वापस श्रीमंदिर लौटते हैं।

सुना बेशा की खास परंपरा

वापसी के बाद भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन को सुना बेशा में सोने के आभूषणों से सजाया जाता है। यह परंपरा भगवान की दिव्यता और जगत के स्वामी के रूप में उनकी महिमा का प्रतीक मानी जाती है।

पुरी के गजपति महाराजा लगाते हैं रथों में झाड़ू

रथ यात्रा के दौरान छेरा पहंरा नामक परंपरा निभाई जाती है। इसमें पुरी के गजपति महाराजा सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। यह संदेश देती है कि भगवान के सामने सभी समान हैं, चाहे राजा हो या आम व्यक्ति।

तीनों रथों की होती है अलग पहचान

भगवान जगन्नाथ के रथ का नाम नंदीघोष, बलभद्र के रथ का नाम तलध्वज और सुभद्रा के रथ का नाम दर्पदलन है। तीनों रथों का रंग, आकार और पहियों की संख्या भी अलग-अलग होती है।

लक्ष्मी जी रोकती हैं भगवान का रास्ता

रथ यात्रा से लौटते समय हेरा पंचमी की परंपरा निभाई जाती है। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ जब बिना देवी लक्ष्मी को साथ लिए गुंडिचा मंदिर चले जाते हैं, तो वापसी पर देवी लक्ष्मी प्रतीकात्मक रूप से नाराज होकर उनका रास्ता रोकती हैं। यह रस्म रथ यात्रा का बेहद आकर्षक हिस्सा मानी जाती है।

स्नान यात्रा के बाद 15 दिन तक नहीं होते दर्शन

रथ यात्रा से प्रहले होने वाली स्नान यात्रा में भगवान का विशेष अभिषेक किया जाता है। इसके बाद मान्यता है कि भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं। इस वजह से लगभग 15 दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इस अवधि को अनसारा कहा जाता है।

लॉर्ड्स ODI होगा रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच!

भारत-इंग्लैंड सीरीज के बीच बड़ी खबर

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रही है। उसी बीच अब रोहित शर्मा के करियर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक सेलेक्टर्स और टीम इंडिया के मैनेजमेंट ने अब रोहित शर्मा से आगे बढ़ने का मन बना लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स के मैदान पर रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक्सक्लूसिव जानकारी के अनुसार यह पता चला है कि भारतीय चयन समिति ने रोहित शर्मा और कोच गौतम गंभीर को पिछले हफ्ते ही इसकी जानकारी दे दी थी। इसके मुताबिक चयनकर्ताओं ने अब रोहित के साथ आगे नहीं जाने का मन बनाया है। चयन समिति अब युवाओं को आगे लाना चाहती है। यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को मैनेजमेंट मौका देना चाहता है और आगामी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी करना चाहता है।

कैसा रहा रोहित शर्मा का करियर रिकॉर्ड?

रोहित शर्मा के करियर रिकॉर्ड की बात करें तो वनडे इंटरनेशनल में उन्होंने भारत को एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब दिलाए। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत उनकी कप्तानी में चैंपियन बना। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया उपविजेता भी उनकी कप्तानी में रही थी। रोहित ने वनडे इंटरनेशनल में 278 पारियों में 11731 रन बनाए हैं जिसमें 33 शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद भी वह भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मगर फिर भी उनको लेकर लिया गया यह फैसला समझ के परे है।

रोहित शर्मा नहीं हैं खुश!

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्बष्टद्ब) के एक सूत्र द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक यह कहा गया, 'चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा को यह जानकारी दे दी गै कि वह भविष्य की प्लानिंग में शामिल नहीं हैं। मैनेजमेंट ने इंग्लैंड दौरे के बाद उनसे आगे बढ़ने का मन बना लिया है। हालांकि, वह आगे खेलना चाहते हैं और खासतौर से अपनी फिटनेस पर काम करने के बाद। मगर चयनकर्ताओं ने इस बारे में जानकारी देने के बाद गेंद को रोहित शर्मा के पाले में ही छोड़ दिया और भविष्य पर खुद अंतिम फैसला लेने की बात कही।' रिपोर्ट में यह जानकारी भी सामने आई है कि बीसीसीआई के कुछ अधिकारियों से रोहित शर्मा की बात हुई है। रोहित इस फैसले से नाखुश भी हैं। रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 इंटरनेशनल और पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद शुभमन गिल को वनडे का कप्तान भी बनाया गया था और रोहित से कप्तानी छिन गई थी।

बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने सचिव सैकिया को आईसीसी में नई भूमिकाओं के लिए बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मनहास ने बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन चुने जाने और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित आईसीसी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस के दौरान सैकिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। आईसीसी बोर्ड ने अपनी सालाना बैठकों के दौरान दो नई सब-कमेटी बनाने को मंजूरी दी, जिसमें सैकिया को नई गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी

गई। वह क्रिकेट साउथ अफ्रीका के मोहम्मद मूसाजी और आईसीसी के स्वतंत्र निदेशक रॉस रिवाज के साथ काम करेंगे। सैकिया को नई फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य भी बनाया गया है, जिसकी अध्यक्षता बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमीम इकबाल करेंगे। इस घोषणा के बाद, मन्हास ने इन नियुक्तियों को क्रिकेट प्रशासन में सैकिया के योगदान की पहचान बताया और खेल के वैश्विक विकास में योगदान देने की उनकी क्षमता पर भरोसा जताया।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, मन्हास ने अपने सहयोगी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हाल ही में हुई आईसीसी सालाना कॉन्फ्रेंस में आईसीसी गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य चुने जाने पर बीसीसीआई में मेरे सहयोगी देवजीत सैकिया को बहुत-बहुत बधाई।'

कप्तान यश के 4 विकेट, लक्ष्य का दोहरा शतक

- फिर भी नहीं जीत पाई भारतीय टीम; पहला टेस्ट मैच ड्रॉ

नई दिल्ली। इंडिया अंडर 19 और श्रीलंका अंडर 19 के बीच गॉल में सीरीज का पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला गया। इस मुकाबले में भारत के लिए सागर विर्क ने शतक लगाया। विकेटकीपर बल्लेबाज मानव कृष्णा ने भी शतकीय पारी खेली। लक्ष्य रायचंदानी का दोहरा शतक आया। तीसरी पारी में कप्तान यशबर्धन चौहान ने चार विकेट लेते हुए भारत

को जीत की महक दिला दी थी, मगर समय कम पड़ गया और भारतीय टीम मैच नहीं जीत पाई। आखिरकार चौथे दिन के अंत तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में भारत की 152 रन की बढ़त को पार करते

हुए 6 विकेट पर 178 रन बना लिए थे। इसी कारण यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मुकाबले में श्रीलंका के लिए भी पहली पारी में सेनुजा ने दोहरा शतक लगाते हुए 233 रन की पारी खेली थी। अब इंडिया अंडर 19 की टीम के इस श्रीलंका दौरे पर दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच 20 जुलाई से गॉल के इसी मैदान पर खेला जाएगा। इससे पहले तीन मैचों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से हार गई थी।

भारत ने 576 रन बनाकर घोषित की पारी- भारत ने इस मैच में श्रीलंका के पहली पारी में 424 के जवाब में अपनी पहली पारी में 576 रन बनाए। लक्ष्य रायचंदानी ने 207, सागर विर्क ने 134 और मानव कृष्णा ने 100 रनों की पारी खेली। भारत को पहली पारी के आधार पर 152 रन की लीड मिली थी। फिर श्रीलंका की दूसरी पारी में बल्लेबाजी लड़खड़ाई और भारतीय कप्तान ने गेंदबाजी में जलवा दिखाया।

इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया

सीरीज 1-1 से बराबर; जो रूट 99 रन पर रहे नाबाद

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रंखला का दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डेंस में खेला गया। इंग्लैंड ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीता और सीरीज में 1-1 की बराबरी की।

इस मुकाबले में भारत और जीत के बीच सबसे बड़ी बाधा बने जो रूट जिन्होंने नाबाद 99 रन की पारी खेली। अंत में गस एटकिंसन ने 16 गेंद पर नाबाद 23 रन बनाए।

इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 44 ओवर में 233 रन पर सिमट गई। अंत में जसप्रीत बुमराह 13 गेंद पर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रेयस अय्यर ने 66 और विराट कोहली ने 65 रनों की पारियां खेली थीं।

इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन को 3-3 विकेट मिले। वहीं साकिब महमूद ने 2 और विल जैक्स व सैम करन को 1-1 सफलता मिली।

भारत के लिए 2 विकेट गुरनूर बराड़ को मिले, जबकि बुमराह, अक्षर, प्रसिद्ध और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट लिया। सीरीज के पहले मैच में भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराते हुए 1-0 की बढ़त बनाई थी। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला 19 जुलाई को भारतीय समय मुताबिक दोपहर 3.30 बजे से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

विराट कोहली का 78वां पचासा

- इंग्लैंड के खिलाफ विवियन रिचर्ड्स की बराबरी की, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। विराट कोहली का बल्ला लंबे समय तक खामोश नहीं रह सकता है। इसका उदाहरण उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज में पेश किया। पहले वनडे में 5 रन पर आउट होने वाले विराट ने कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में 66 गेंद पर 65 रन की पारी खेली। उनके वनडे करियर का यह 78वां पचासा था। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ विराट का यह सभी फॉर्मेट मिलाकर 33वां फिफ्टी प्लस स्कोर था। जबकि वनडे में 14वां फिफ्टी प्लस स्कोर उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बनाया।

इन दोनों रिकॉर्ड के साथ एक मामले में विराट कोहली ने दिग्गज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा और दूसरे मामले में दिग्गज विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर ली। जी हां विराट कोहली अब सचिन तेंदुलकर (32) को पीछे छोड़कर इंटरनेशनल क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ 33 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले नंबर 1 भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

कोहली ने की विवियन रिचर्ड्स की बराबरी

विराट कोहली का वनडे इंटरनेशनल में इंग्लैंड के खिलाफ यह 14वां फिफ्टी प्लस स्कोर है। वह वनडे में अंग्रेज टीम के खिलाफ 3 शतक और 11 अर्धशतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के खिलाफ दुनियाभर के बल्लेबाजों की बात करें तो विराट अब 14 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने विवियन रिचर्ड्स की बराबरी की है। वह इस मामले में अब सिर्फ कुमार संगकारा से ही पीछे हैं।

रोहित-अय्यर के साथ विराट ने पारी को संभाला- विराट कोहली ने 66 गेंद पर 65 रन की उपयोगी पारी टीम इंडिया के लिए खेली। उन्होंने 8 चौके लगाए और रन अ बॉल स्कोर किया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ 60 रन की साझेदारी की। वहीं चौथे विकेट के लिए उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ 67 रन जोड़े।

मेसी नंबर 1, एम्बाप्पे अब भी रेस में

फ्रांस और इंग्लैंड के मैच से पलट सकती है तस्वीर; गोल्डन बूट की रेस में रोमांच बरकरार

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब अपने अंतिम मोड़ पर है। सेमीफाइनल के बाद स्पेन और अर्जेंटीना के बीच ग्रैंड फिनाले यानी खिताबी मुकाबला तय हो चुका है। 19 जुलाई को यह मैच खेला जाएगा और न्यू यॉर्क का न्यू जर्सी स्टेडिय इस बेहतरीन मुकाबले का गवाह बनेगा। मगर इस मैच से पहले फ्रांस और इंग्लैंड के बीच एक बेहतरीन मुकाबला होने वाला है। इस मैच में एक बार फिर से किलियन एम्बाप्पे और हैरी केन का जादू दिखने वाला है।

इंग्लैंड और फ्रांस के बीच 18 जुलाई को तीसरे स्थान के लिए मुकाबला होगा। फीफा की भाषा में इसे ब्रॉन्ज फाइनल भी कहा जाता है।

इस मैच से पहले किलियन एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में नंबर 2 पर जरूर हैं लेकिन उनके पास लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने का मौका अब भी है। उधर लियोनेल मेसी सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ दो बेहतरीन असिस्ट के बाद टॉप पर पहुंच जरूर गए लेकिन एम्बाप्पे का अभी एक मैच बाकी है।

स्पेन के खिलाफ आसान नहीं होगी मेसी की राह

हालांकि, मेसी भी फाइनल में स्पेन के खिलाफ उतरेंगे और कम से कम गोल या असिस्ट तो जरूर करने का माद्दा रखते हैं। मगर इंग्लैंड के खिलाफ 1 या 2 गोल करके मजबूत फ्रांस की टीम के स्ट्राइक एम्बाप्पे गोल्डन बूट पर कब्जा जमा सकते हैं। एम्बाप्पे इस रेस में इसलिए और ज्यादा मजबूत दिख रहे हैं क्योंकि मेसी के सामने फाइनल में स्पेन की टीम है। स्पेन ने इस फीफा वर्ल्ड कप में अपने खिलाफ एक भी गोल अब तक नहीं होने दिया है। ऐसे में मेसी के लिए चीजें आसान नहीं होंगी।

कब और कहां खेला जाएगा फ्रांस बनाम इंग्लैंड मुकाबला?

फ्रांस और इंग्लैंड के बीच फीफा वर्ल्ड कप 2026 का तीसरे स्थान के लिए होने वाला मुकाबला शनिवार, 18 जुलाई 2026 को होगा। यह मैच यह मैच अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी स्टेडियम (मियामी गार्डन्स) में खेला जाएगा। इस मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार (द्बस्ञ्) 18 जुलाई की रात 12 बजे के बाद 19 जुलाई को सुबह 2:30 बजे (18 जुलाई रात 5:00 बजे श्वञ्) होगी।

कौन हैं लियोनेल मेसी की पत्नी एंटोनेला रोकुजो?

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी की पत्नी एंटोनेला रोकुजो अब सिर्फ स्टार फुटबॉलर की लाइफ पार्टनर के तौर पर नहीं, बल्कि अपनी अलग पहचान के कारण भी सुर्खियों में हैं। 4 करोड़ से ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोवर्स वाली एंटोनेला एक सफल उद्यमी और डिजिटल क्रिएटर हैं। वह बच्चों के कपड़ों के ब्रांड Enfans की सह-संस्थापक हैं और Alo, Tiffany, Lancôme व Anastasia Beverly Hills जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ साझेदारी कर चुकी हैं। तीन बेटों की मां एंटोनेला रोकुजो परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपने बिजनेस और सोशल मीडिया करियर को भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रही हैं। आइए जानते हैं कि आखिर कौन हैं एंटोनेला रोकुजो और कैसे उन्होंने मेसी की पत्नी से आगे बढ़कर अपनी अलग पहचान बनाई।

4 करोड़ इंस्टाग्राम फॉलोवर्स, 3 बेटों की मां, अपना बिजनेस और बड़े ब्रांड्स से साझेदारी

- **बचपन में हुई थी लियोनल मेसी से मुलाकात-** एंटोनेला रोकुजो और लियोनेल मेसी अर्जेंटीना के रोजारियो शहर में पले-बढ़े हैं। दोनों की पहली मुलाकात बचपन में एंटोनेला के चचेरे भाई लुकास स्कालिया के जरिये हुई थी। लुकास स्कालिया उस समय न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज क्लब में लियोनल मेसी के साथ खेलते थे। लियोनल मेसी 13 साल की उम्र में स्पेन के बार्सिलोना चले गए, लेकिन एंटोनेला रोकुजो और वह एक दूसरे के संपर्क में बने रहे। बाद में दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। हालांकि, यह ठीक-ठीक पता नहीं है कि दोनों ने कब डेट करना शुरू किया, लेकिन लियोनल मेसी ने 2009 में पुष्टि की थी कि उनकी एक गर्लफ्रेंड है। अगले साल एंटोनेला रोकुजो बार्सिलोना रहने चली गईं। कई वर्षों तक रिश्ते में रहने के बाद जून 2017 में लियोनल मेसी और एंटोनेला रोकुजो ने रोजारियो में शादी कर ली।
- **पढ़ाई बीच में छोड़कर चुना अलग रास्ता-** एंटोनेला रोकुजो ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ रोसारियो से ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंसेज में डिग्री हासिल की है। वह डेंटिस्ट बनना चाहती थीं और इसके लिए ग्रेजुएट स्कूल भी गईं। एंटोनेला रोकुजो ने ग्राजिया मैगजीन को बताया था, ''मुझे नहीं पता क्यों, क्योंकि मेरे परिवार में कोई भी डेंटिस्ट नहीं है, लेकिन मैंने हमेशा से इसका सपना देखा था।'' एंटोनेला रोकुजो ने एक साल बाद डेंटिस्ट की पढ़ाई छोड़ दिया, क्योंकि उन्हें अहसास हुआ कि वह असल में डेंटिस्ट नहीं बनना

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)